www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

# भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

**मौसम**

अधिकतम तापमान 31.c

28.c न्यूनतम तापमान

**बाजार**

सोना 98.935g

चांदी 100,000kg

सोशल मीडिया पर भारत संवाद

https://x.com/BharatSamvad

www.facebook.com/bharatsamvad.in

www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n

E-Paper bharatsamvad.live



2 हरित भारत के प्रति समर्पित रेलवे, आर्थिक विकास और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता

मंडी का एसडीएम ने किया औचक निरीक्षण 04



वर्ष :08 | अंक :345 | मुंबई ,शुक्रवार , 06 जून 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए


**संक्षिप्त समाचार**

## युवक को कार से कुचलने के प्रयास के मामले में ट्रांसपोर्टर के दो बेटे गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर जिला पुलिस ने यहां सेक्टर 53 में दो भाइयों के साथ मारपीट करने और उनमें एक को थार कार से कुचलने की कोशिश करने के आरोप में एक ट्रांसपोर्ट कारोबारी के दो बेटों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने यह ये गिरफ्तारियां की हैं। घटना को लेकर एक थाना प्रभारी समेत दो पुलिस अधिकारियों को निलंबित किया गया है तथा गाड़ी को जब्त कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, थाना सेक्टर 24 की पुलिस ने ट्रांसपोर्ट कारोबारी सुधीर अवाना के बेटे अमन अवाना तथा आकाश अवाना को बुधवार रात गिरफ्तार किया। वे यहां नोएडा के सेक्टर 23 के रहने वाले हैं। उनके मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि सोशल मीडिया पर टिप्पणी को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ था और आरोपियों ने पीड़ित सुमित यादव और सौरभ को अपने दफ्तर बुलाया जहां उनपर कथित रूप से हमला किया गया। इस घटना में शामिल कुछ लोग फरार हैं।

## न्यायाधीश ने फर्जी न्यायिक आदेशों की शिकायत की, प्राथमिकी दर्ज

राष्ट्रीय राजधानी की पटियाला हाउस अदालत के एक जिला न्यायाधीश ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि उनके हस्ताक्षर वाले कुछ फर्जी अदालती आदेश सोशल मीडिया पर प्रसारित किए गए हैं। इनमें गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाने और संपत्ति की जब्ती से जुड़े आदेश शामिल हैं। वाणिज्यिक न्यायालय-01 के जिला न्यायाधीश की शिकायत के बाद 23 अप्रैल को नयी दिल्ली साइबर पुलिस थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई। न्यायाधीश ने अपनी शिकायत में कहा है कि सोशल मीडिया के माध्यम से कई बार ऐसे जाली दस्तावेज भेजे गए हैं, जिन पर उनका नाम अंकित है और उन्हें न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के रूप में दशार्या गया है। प्राथमिकी के मुताबिक, पहला मामला 31 मई 2024 को सामने आया, जब सरकार बनाम सुश्री अंकिता के नाम से न्यायाधीश के जाली हस्ताक्षर वाला गिरफ्तारी वारंट संबंधी आदेश प्रसारित किया गया। प्राथमिकी के अनुसार, दूसरा मामला दो दिसंबर 2024 का है, जब सरकार बनाम संकेत सुरेश साटमह्न के नाम से न्यायाधीश के जाली हस्ताक्षर वाला संपत्ति की जब्ती से जुड़ा आदेश सोशल मीडिया पर सामने आया। प्राथमिकी में कहा गया है कि दोनों आदेश में न्यायाधीश को दिल्ली जिला अदालत में प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के रूप में गलत रूप से अंकित किया गया था।

# न्याय नहीं, सिर्फ सत्ता की राजनीति का प्रतीक

## नीतीश सरकार पर भड़के राहुल गांधी

**प्राण–प्रतिष्ठा**

**राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि 20 साल तक सत्ता में रहने के बाद भी नीतीश जी की डबल इंजन सरकार न तो बिहार को सुरक्षा दे पाई, न सम्मान और न ही विकास। अपराध, बेरोजगारी और पलायन यही नीतीश–बीजेपी सरकार की असली पहचान बन चुकी है।**

एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बलात्कार पीड़िता की मां का इलाज करने वाले एक डॉक्टर की बेरहमी से पिटाई की कथित घटना को लेकर गुरुवार को बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की और कहा कि अपराध,

बेरोजगारी और पलायन राज्य की सत्तारूढ़ सरकार की असली पहचान बन गए हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने यह भी कहा कि बिहार में जेडी(यू)-बीजेपी सरकार सत्ता की राजनीति का प्रतीक बन गई है और अन्याय के इस चक्र को तोड़ने और राज्य को स्ुरक्षा, स्वाभिमान और गरिमा के रास्ते पर आगे ले जाने का

### '20 साल की सत्ता, लेकिन सुरक्षा नहीं मिली'

**राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा, 20 साल सत्ता में रहने के बावजूद नीतीश जी की डबल इंजन सरकार बिहार को न सुरक्षा दे सकी, न सम्मान, न विकास। अपराध, बेरोजगारी और पलायन यही बन गई है नीतीश सरकार की असली पहचान। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि यह सरकार जनता को लाचार बनाकर सत्ता से चिपकी रहना चाहती है। उन्होंने कहा कि बिहार की सरकार अब न्याय की नहीं, सत्ता की राजनीति का प्रतीक बन चुकी है।**

समय आ गया है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि 20 साल तक सत्ता में रहने के बाद भी नीतीश जी की डबल इंजन सरकार न तो बिहार को सुरक्षा दे पाई, न सम्मान और न ही विकास। अपराध, बेरोजगारी और पलायन यही नीतीश-बीजेपी सरकार की असली पहचान बन चुकी है। उन्होंने कहा कि जनता को लाचार बनाकर सत्ता से चिपके रहना ही इनका एजेंडा है। नीतीश सरकार न्याय नहीं, सिर्फ. सत्ता की राजनीति का प्रतीक बन चुकी है। अब बहुत हुआ। समय आ गया है कि हम अन्याय के इस चक्र को तोड़ें और बिहार को सुरक्षा, स्वाभिमान और सम्मान की राह पर आगे ले चलें।उनकी टिप्पणी बिहार कांग्रेस द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो पर आई, जिसमें डॉ. जितेंद्र यादव को दिखाया गया था, जो कथित तौर पर गया में एक बलात्कार पीड़िता के घर गए थे। बिहार कांग्रेस एक्स पर लिखा था कि बिहार में कुशासन राज का ट्रवल इंजन बेकाबू हो गया है। गया में बलात्कार पीड़िता की मां का इलाज करने उसके घर पहुंचे डॉक्टर जितेंद्र यादव को दुष्कर्म के आरोपियों ने घर से घसीटकर बाहर निकाला और पेड़ से बांधकर जमकर पीटा।

# बेंगलुरु भगदड़ मामला : कर्नाटक हाईकोर्ट ने लिया स्वत: संज्ञान, सीएम-डिप्टी सीएम के खिलाफ पुलिस कंप्लेन, एजी ने किया कार्रवाई का वादा

**न्यायिक हस्तक्षेप की मांग करने वाले एक वकील ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सी.एम. जोशी की पीठ के समक्ष इस मामले का तत्काल उल्लेख किया।**

एजेंसी

कर्नाटक हाई कोर्टने गुरुवार को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर बुधवार शाम को हुई दुखद भगदड़ का स्वतः संज्ञान लिया, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 56 लोग घायल हो गए। अदालत इस मामले की सुनवाई दोपहर 2.30 बजे करेगी। यह घटना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पहली आईपीएल खिताब जीत के जश्न के दौरान हुई, जहाँ टीम की सार्वजनिक उपस्थिति की प्रत्याशा में हजारों लोग एकत्र हुए थे। न्यायिक हस्तक्षेप की मांग करने वाले एक वकील ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सी.एम. जोशी की पीठ के समक्ष इस मामले का तत्काल उल्लेख किया। राज्य का प्रतिनिधित्व कर रहे महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने अदालत को आश्वासन दिया कि सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं और एक विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। शेट्टी ने पीठ से कहा, ?यह कोई विरोधात्मक मामला नहीं है। हम राज्य के किसी भी नागरिक की तरह चिंतित हैं। हम प्रस्तुत करेंगे कि क्या किया गया है और हम किसी भी सुझाव के लिए खुले हैं। इसके अलावा, आम आदमी पार्टी-कर्नाटक के राज्य युवा अध्यक्ष लोहित हनुमानपुरा ने केएससीए और स्टेडियम के सीईओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई।

### सीएम और शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज

**घटना के बाद, कार्यकर्ताओं और राजनीतिक प्रतिनिधियों द्वारा कई शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने आईपीसी की धारा 106 के तहत कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कथित लापरवाही के लिए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अधिकारियों का नाम लिया गया।**

# अयोध्या में हुई राम दरबार की प्राण-प्रतिष्ठा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया दर्शन-पूजन

**सूरत के कारोबारी ने हीरे के आभूषण दान किए, योगी बोले- मोदी आधुनिक भारत के भगीरथ**

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अयोध्या में राम मंदिर में भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह की अध्यक्षता की। अनुष्ठान सुबह 11 बजे शुरू हुआ और लगभग 45 से 50 मिनट तक चला, जिसमें पारंपरिक वैदिक मंत्रोच्चार और अनुष्ठान शामिल थे। यह कार्यक्रम 3 जून से शुरू हुए तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह का अंतिम दिन था। आज अपना 53वां जन्मदिन मना रहे योगी आदित्यनाथ ने मंदिर के भूतल पर रामलला की आरती की। मंदिर के गर्भगृह में पूजा-अर्चना करने के बाद मुख्यमंत्री राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा के लिए मंदिर के प्रथम तल पर पहुंचे और वहां अनुष्ठान शुरू किया।

योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में श्री राम दरबार और अन्य देव विग्रहों के प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम में हिस्सा लिया और दर्शन–पूजन किया। गंगा दशहरा के अवसर पर राम मंदिर की पहली मंजिल पर मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम के दरबार और आठ विग्रहों की प्राण–प्रतिष्ठा के अवसर पर मुख्यमंत्री ने दर्शन–पूजन कार्यक्रम में भाग लिया।

**योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में श्री राम दरबार और अन्य देव विग्रहों के प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम में हिस्सा लिया और दर्शन–पूजन किया। गंगा दशहरा के अवसर पर राम मंदिर की पहली मंजिल पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के दरबार और आठ विग्रहों की प्राण–प्रतिष्ठा के अवसर पर मुख्यमंत्री ने दर्शन–पूजन कार्यक्रम में भाग लिया।**

### गंगा दशहरा का दिन है बेहद खास

हिंदू धर्म शास्त्रों के मुताबिक गंगा दशहरा वह दिन है जब राजा भगीरथ की तपस्या से प्रेरित होकर पवित्र नदी गंगा भगवान शिव की जटाओं से पृथ्वी पर उतरी थीं। इस दिन को बहुत शुभ माना जाता है।

## रीवा में भीषण सड़क हादसा, ऑटो पर पलटा ट्रक, 7 यात्रियों की मौत

**मध्य प्रदेश के रीवा जिले में भीषण सड़क हादसा, ऑटो सवार 7 यात्रियों की मौत, कई घायल.**

एजेंसी

रीवा: मध्य प्रदेश के रीवा जिले में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया. सोहागी पहाड़ के पास चलते ऑटो पर सीमेंट की शीट से लदा ट्रक पलट गया. हादसे में ऑटो सवार 4 यात्रियों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. जबकि हादसे में घायल अन्य दो लोगों ने अस्पताल ले जाते समय और एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. ऑटो सवार सभी यात्री प्रयागराज से गंगा स्नान करके मऊगंज लौट रहे थे. इसी दौरान रीवा की ओर जा रहे सीमेंट की शीट से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर ऑटो पर पलट गया. प्रयागराज से गंगा स्नान कर लौट रहे थे यात्रीदरअसल, मऊगंज जिले के नइगढ़ी थाना क्षेत्र निवासी एक ही परिवार के लोग ऑटो में सवार होकर गंगा स्नान के लिए प्रयागराज गए हुए थे. गंगा स्नान के बाद गुरुवार की दोपहर करीबन 1 बजे सभी लोग वापस ऑटो में सवार होकर मऊगंज के लिए निकले थे. ऑटो जैसे ही सोहागी पहाड़ के पास पहुंचा, उसी दौरान सीमेंट की शीट से लदा एक ट्रक रीवा की ओर से सडक के दाहिने तरफ से लौट रहा था. ट्रक जैसे ही यात्री सवार ऑटो के बगल में पहुंचा, तभी अचानक से अनियंत्रित होकर ट्रक ऑटो के ऊपर ही पलट गया.भीषण सड़क हादसे मे ऑटो सवार सभी यात्री बुरी तरह दब गए.

# विश्व पर्यावरण दिवस पर पीएम मोदी ने लगाए पौधे

**1971 युद्ध की नायिकाओं से किया वादा पूरा**

**यह पहल लोगों को अपनी माताओं के नाम पर पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करती है, जो प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी का प्रतीक है। इस पहल के तहत, पीएम मोदी ने पहले 2024 में विश्व पर्यावरण दिवस पर दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में पीपल का पौधा लगाया था, जिसमें पेड़ों और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया था।**

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर अपने आधिकारिक आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर पौधे लगाए। इस तरह उन्होंने कच्छ की अपनी हालिया यात्रा के दौरान किया गया वादा पूरा किया। इस यात्रा के दौरान 1971 के युद्ध में उल्लेखनीय साहस दिखाने वाली महिलाओं के एक समूह ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और उन्हें सिंदूर के पौधे भेंट किए। इस पहल से अभिभूत प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह अपने आवास पर पौधे लगाएंगे ।मोदी ने एक्स पर लिखा कि 1971 के युद्ध में साहस और पराक्रम की अद्भुत मिसाल पेश करने वाली कच्छ की वीरांगना माताओं-बहनों ने हाल ही में गुजरात के दौरे पर मुझे सिंदूर का पौधा भेंट किया था। विश्व पर्यावरण दिवस पर आज मुझे उस पौधे को नई दिल्ली के प्रधानमंत्री आवास में लगाने का सौभाग्य मिला है। यह पौधा हमारे देश की नारीशक्ति के शौर्य और प्रेरणा का सशक्त प्रतीक बना रहेगा। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के दूसरे चरण की शुरूआत की गई है, जिसका लक्ष्य 5 जून से 30 सितंबर तक 10 करोड़ पेड़ लगाना है। यह पहल लोगों को अपनी माताओं के नाम पर पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करती है, जो प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी का प्रतीक है। इस पहल के तहत, पीएम मोदी ने पहले 2024 में विश्व पर्यावरण दिवस पर दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में पीपल का पौधा लगाया था।

# वंदे भारत ट्रेन का उमर अब्दुल्ला और जितेंद्र सिंह किया निरीक्षण

**उमर अब्दुल्ला ने कहा कि आज प्रधानमंत्री वंदे भारत सेवा का उद्घाटन करेंगे और इससे हमें फायदा होगा। जब भी हाईवे बंद होता है, एयरलाइंस 5,000 रुपये की टिकटें 20,000 रुपये में बेचना शुरू कर देती हैं, ऐसे मुद्दे अब से हल हो जाएंगे।**

एजेंसी

## पीएम मोदी आज दिखाएंगे हरी झंडी

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने पीएम मोदी के कल के दौरे से पहले कटरा रेलवे स्टेशन और वंदे भारत ट्रेन का निरीक्षण किया। पीएम मोदी कल कश्मीर के लिए पहली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इस दौरान उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर मैं आपसे कहूं कि मैं इस पल का लंबे समय से इंतजार कर रहा था, तो भी यह पर्याप्त नहीं होगा। यह रेल परियोजना तब शुरू हुई थी जब मैं 7वीं या 8वीं कक्षा में था। अब, मेरे बच्चों ने भी स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद काम करना शुरू कर दिया है। लेकिन, देर आए दुरुस्त आए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि कल प्रधानमंत्री वंदे भारत सेवा का उद्घाटन करेंगे और इससे हमें फायदा होगा। जब भी हाईवे बंद होता है, एयरलाइंस 5,000 रुपये की टिकटें 20,000 रुपये में बेचना शुरू कर देती हैं, ऐसे मुद्दे अब से हल हो जाएंगे। अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी चेनाब नदी से 359 मीटर ऊपर स्थित दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज, चेनाब ब्रिज का उद्घाटन करेंगे।

# विश्व पर्यावरण दिवस पर पंजाब पहुंचे कृषि मंत्री किया पौधारोपण, किसानों को तकनीकी खेती अपनाने की सलाह

**▸▸केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब दौरे पर किसानों से संवाद किया, तकनीकी खेती को प्रोत्साहित किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया.**

एजेंसी

पटियालाः केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर पंजाब पहुंचे. इस दौरान उनके साथ पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुडियां और वैज्ञानिकों की एक टीम भी मौजूद रही. मंत्री का यह दौरा किसानों से सीधे संवाद, कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों के प्रचार और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से किया गया. खेड़ी गंडियां गांव में खूंद चर्चाः आम के पेड़ों के नीचे किसानों से संवाद दौरे की शुरूआत पटियाला जिले के खेड़ी गंडियां गांव (राजपुरा) से हुई, जहां खूंद चर्चा नामक कार्यक्रम के तहत आम के पेड़ों की छांव में केंद्रीय मंत्री ने किसानों से सीधे बातचीत की. इस अनौपचारिक चर्चा में किसानों ने बीमा दावों में देरी, खाद-बीज की कमी और बिजली आपूर्ति की अनियमितताओं जैसे मुद्दे उठाए.

**तंज** लालू यादव पर प्रशांत किशोर का तंज

# अपने 9वीं फेल बेटे को बिहार का राजा बनाना चाहते हैं

एजेंसी

नयी दिल्ली। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने गुरुवार को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख अपने बेटे तेजस्वी यादव को बिहार का राजा बनाना चाहते हैं, जिन्होंने 9वीं कक्षा भी पास नहीं की है, जबकि आम लोगों के बच्चों को स्नातक करने के बावजूद नौकरी नहीं मिल रही है। राजद प्रमुख पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि वह केवल लालू यादव की प्रशंसा कर रहे हैं और लोगों को उनसे सीखना चाहिए कि अपने बच्चों की देखभाल कैसे करें। किशोर ने बिहार के सारण में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें लालू प्रसाद यादव से सीखना चाहिए कि बच्चों की चिंता कैसे की जाती है। लालू जी का बेटा 9वीं पास नहीं कर पाया, लेकिन लालू यादव अपने बच्चे के लिए इतने चिंतित हैं कि वे अभी भी चाहते हैं कि वह बिहार का राजा बने। जब हम ऐसा कहते हैं, तो लोग कहते हैं कि हम उनकी शिकायत करते हैं। नहीं! हम लालू यादव की तारीफ कर रहे हैं। किशोर 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत सारण में हैं। उन्होंने आगे कहा, आप अपनी हालत देखिए। आपका बच्चा मैट्रिक पास कर चुका है और ग्रेजुएशन भी कर चुका है, लेकिन फिर भी उसे नौकरी नहीं मिल रही है, यहां तक कि चपरासी की नौकरी भी नहीं मिल रही है। इससे पहले 4 जून को सारण के तरैया इलाके में एक रैली के दौरान किशोर ने कहा था कि उनकी रैलियों को मिल रही जबर्दस्त प्रतिक्रिया बिहार में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर जनता की साझा हताशा को दशार्ती है और बदलाव की सामूहिक इच्छा को दशार्ती है। आरजेडी प्रमुख पर कटाक्ष करते हुए प्रशांत किशोर कहा कि वह सिर्फ लालू यादव की तारीफ कर रहे हैं और लोगों को उनसे सीखना चाहिए कि अपने बच्चों की देखभाल कैसे करनी है। किशोर ने बुधवार को बिहार के सारण में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ?हमें लालू प्रसाद यादव से सीखना चाहिए कि बच्चों की चिंता कैसे करनी है। लालू जी का बेटा 9वीं पास नहीं कर पाया, लेकिन लालू यादव अपने बच्चे के लिए इतने चिंतित हैं कि वह अभी भी उसे बिहार का राजा बनाना चाहते हैं। जब हम ऐसा कहते हैं, तो लोग कहते हैं कि हम उनकी शिकायत करते हैं। नहीं! हम लालू यादव की तारीफ कर रहे हैं। प्रशांत किशोर 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत सारण में हैं। उन्होंने आगे कहा, आप अपनी हालत देखिए। आपका बच्चा मैट्रिक पास कर चुका है और स्नातक भी हो चुका है, लेकिन फिर भी उसे नौकरी नहीं मिल रही है, यहां तक कि चपरासी की भी नौकरी नहीं मिल रही है।

**किशोर ने बिहार के सारण में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें लालू प्रसाद यादव से सीखना चाहिए कि बच्चों की चिंता कैसे की जाती है। लालू जी का बेटा 9वीं पास नहीं कर पाया, लेकिन लालू यादव अपने बच्चे के लिए इतने चिंतित हैं कि वे अभी भी चाहते हैं कि वह बिहार का राजा बने।**

# मूर्खता और विरोध की भी एक सीमा होती है, राहुल गांधी को सरेंडर वाले बयान पर भड़के किरेन रिजिजू

**राहुल गांधी के सरेंडर वाले व्यंग ने पाकिस्तानी मीडिया में भी सुर्खियाँ बटोरीं, जिसमें आतंकवाद के खिलाफ भारत की हालिया कूटनीतिक पहल को चुनौती दी गई, जिसमें पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने झूठा दावा किया कि भारत ने स्वीकार कर लिया है कि उसने सरेंडर कर दिया है।**

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद घोषित संघर्ष विराम के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सरेंडर करने वाले बयान को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने मंगलवार को तब विवाद खड़ा कर दिया जब उन्होंने आरोप लगाया कि भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फोन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरेंडर कर दिया। उनकी टिप्पणी पर भारी प्रतिक्रिया हुई और भाजपा ने उन पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया। राहुल गांधी के सरेंडर वाले व्यंग ने पाकिस्तानी मीडिया में भी सुर्खियाँ बटोरीं, जिसमें आतंकवाद के खिलाफ भारत की हालिया कूटनीतिक पहल को चुनौती दी गई, जिसमें पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने झूठा दावा किया कि भारत ने स्वीकार कर लिया है कि उसने सरेंडर कर दिया है। तीखी प्रतिक्रिया के बावजूद, कांग्रेस ने ट्रम्प की टअॠअ टोपी की एक तस्वीर पोस्ट करके टिप्पणी को और पुख्ता किया, जिस पर लिखा था, नरेंद्र सरेंडर। विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए किरण रिजिजू ने कहा, मूर्खता और विरोध की भी एक सीमा होती है! कांग्रेस पार्टी में कोई नहीं है जो उन्हें बताए कि विपक्षी पार्टी में होने का मतलब देश का विरोध करना नहीं है? उन्होंने पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद की प्रशंसा करते हुए एक पोस्ट को भी रीट्वीट किया, जिन्होंने राहुल गांधी की नीतियों की आलोचना की थी

## सम्पादकीय

### भारत को खुद कहनी होगी अपनी कहानी, अंतर्मुखी स्वभाव छोड़कर पूरे विश्व को अपना सरोकार बनाना होगा

पुरानी कहावत है कि जब झूठ आधी दुनिया घूम आता है तब सच अपने जूते पहन रहा होता है। भारतीय सेना के तीन डीजीएमओ ने तो प्रेस कांफ्रेंस में अपना पक्ष प्रभावी ढंग से रखा परंतु उसके पहले संवादहीनता के कारण ऐसी बातों को बढ़ावा मिला जिनके जरिये कहा गया कि अमेरिकी और चीनी मध्यस्थता के कारण भारत ने संघर्ष विराम किया। आपरेशन सिंदूर की समाप्ति के बाद कुहासे के बादल छट गए हैं। देश-विदेश के तमाम रक्षा विशेषज्ञ और उपग्रहों द्वारा लिए गए चित्रों से पुष्टि हुई कि यह संघर्ष पूरी तरह एकतरफा था और पाकिस्तान को बुरी तरह मुंह की खानी पड़ी। इस सैन्य संघर्ष में दुनिया ने भारत के स्वदेश निर्मित सैन्य उपकरणों की बेजोड़ क्षमताओं का लोहा भी माना।राजनीतिक इच्छाशक्ति, सैन्य शौर्य और रक्षा क्षेत्र की उद्यमशीलता ने आशा से अधिक प्रभावित किया है, परंतु इस कठिन समय में जो एक कमी खली, वह थी सूचना क्षेत्र में भारत की ढिलाई। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में आपरेशन सिंदूर की बयानगी को लेकर न सिर्फ भारतीय चिंताओं की अनदेखी हुई, बल्कि पाकिस्तानी दावों को बिना जांचे-परखे आगे बढ़ाया गया। न्यूयार्क टाइम्स, सीएनएन, वालस्ट्रीट जर्नल, निक्केई एशिया, ब्लूमबर्ग आदि में भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव की ज्यादातर रिपोर्टिंग पाकिस्तानी पत्रकारों द्वारा की गई। समाचार एजेंसी रायटर्स ने तो एक ऐसे गुमनाम पाकिस्तानी लेखक सईद शाह के तीन लेख प्रकाशित किए, जो उस दौरान ही कार्यरत रहा। ये पाकिस्तानी पत्रकार केवल पाकिस्तान का झूठा प्रोपेगंडा ही आगे बढ़ाते रहे। कई पश्चिमी मीडिया माध्यम जाने-अनजाने उनसे प्रभावित भी होते रहे। हालांकि बाद में न्यूयार्क टाइम्स, वाशिंगटन पोस्ट आदि ने भारतीय दावों की पुष्टि की और इस संघर्ष को भारत की जीत बताया, परंतु युद्ध के दौरान जब मीडिया रिपोर्टिंग देशों के मनोबल और जनमत को प्रभावित करने की क्षमता रखती है, तब पहले चलाए गए झूठे प्रोपेगंडा की बाद में परिशुद्धि संभव नहीं हो पाती।यह पहली बार नहीं, जब अंतरराष्ट्रीय और खासकर पश्चिमी मीडिया ने भारत के प्रति पूर्वाग्रह दिखाया हो। भारत दशकों से आतंक की मार झेलता रहा है, लेकिन पश्चिमी मीडिया को वार आन ग्लोबल टेरर की याद 9/11 के बाद ही आई। भारत में चल रहे आतंकवाद को वह अब भी कश्मीर विवाद से जोड़कर या फिर भारत में बढ़ते उग्र राष्ट्रवाद की प्रतिक्रिया के रूप में ही देखता है। भाषा, संप्रदाय की दृष्टि से विविधता भरे देश में इतना सफल जनतंत्र होने के बावजूद भारतीय लोकतंत्र पर अनर्गल टिप्पणियां होती रहती हैं।अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में सफलता मिलने पर भारत को उलाहने मिलते हैं और यहां की समस्याओं को बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया जाता है।

## आज का विचार

अगर आप जिंदगी की दौड़ में
धीरे चलते हुए भी कभी रुके नहीं है
तो यकीन मानिये
आप सबसे तेज हैं

भारत संवाद

## राशिफल

**मेष राशि:** अपनी सेहत के प्रति सचेत रहें, क्योंकि आपको अत्यधिक तले भुने भोजन से परहेज रखना होगा, नहीं तो आप किसी बीमारी को दावत दे सकते हैं और आप अपने दिनचर्या में योग व्यायाम को बनाए रखें.

**वृष राशि :** आपके लिए कुछ कठिनाई भरा रहने वाला है. प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी के प्रेम में डूबे नजर आएंगे व उनके साथ रोमानी दिन व्यतीत करेंगे, लेकिन आपके साथी आपसे किसी बात को लेकर नाराज हो सकते हैं. आपको माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन यदि आप से कोई गलती हुई है

**मिथुन राशि:** आपको किसी बात को लेकर तनाव बना रहेगा, जो व्यर्थ होगा. आपको आपके स्वभाव में भी कुछ चिड़ापन देखने को मिलेगा, जिससे परिवार के सदस्य भी परेशान रहेंगे. आपकी किसी तर्क-वितर्क व लड़ाई-झगड़े में पड़ने से बचना होगा.

**कर्क राशि:** आपके लिए सावधानी व सतर्कता बरतने के लिए रहेगा. यदि आप किसी संपत्ति संबंधित विवाद को लेकर परेशान चल रहे हैं, तो उसमें आप किसी आप बड़े सदस्यों से बातचीत कर सकते हैं

**सिंह राशि :** आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. आपको अपने किसी पुराने लिए गए निर्णय के लिए पछतावा होगा. कार्यक्षेत्र में विपरीत परिस्थितियों से आप निकलने में कामयाब रहेंगे और आपके कुछ विरोधी आपके ऊपर हावी होने की कोशिश करेंगे, जिनसे आपको बचना होगा.

**कन्या राशि :** आपके लिए किसी नए काम की शुरूआत के लिए बेहतर रहने वाला है. कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर काम का बहुत जा सकता है, लेकिन आप अपनी जिम्मेदारियों को समय रहते पूरा करने में कामयाब रहेंगे और बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोग बचत की योजनाओं पर पूरा ध्यान लगाएंगे.

**तुला राशि:** आपके लिए कुछ खर्चा भरा रहने वाला है, लेकिन आपको किसी से धन उधार लेने से बचना होगा, नहीं तो आप अपने संचय धन को भी काफी हद तक समाप्त कर देंगे.

**वृश्चिक राशि:** आपको लिए कुछ परेशानी भरा रहने वाला है. आप अपनी माता जी के स्वास्थ्य में चल रही समस्याओं को लेकर परेशान रहेंगे और व्यापार में भी मन मुताबिक लाभ न मिलने से आपका मन थोड़ा परेशान रहेगा

**धनु राशि:** आपके लिए सामान्य रहने वाला है. आपको अपने मन में नकारात्मक विचारों को लाने से बचना होगा, नहीं तो आप परेशान रहेंगे. आप परोपकार के कार्यों में भी पर चढ़कर हिस्सा लेंगे.

**मकर राशि:** आपके लिए लंबे समय से चल रही समस्याओं से छुटकारा दिलाने वाला रहेगा. आप अपने मित्रों के साथ कुछ समय मौज मस्ती में व्यतीत करेंगे और आप साझेदारी में किसी काम को करने की योजना बना सकते हैं. माता-पिता से आप किसी जरूरी बात को लेकर विचार विमर्श कर सकते हैं.

**कुंभ राशि:** व्यापार कर रहे लोगों को उम्मीद से ज्यादा लाभ दिलाने वाला रहेगा. आपको यदि कार्यक्षेत्र में कुछ समस्या चल रही थी, तो उनसे आपको काफी हद तक निजात मिलेगी, लेकिन आप किसी व्यक्ति के कहने में आकर कोई बात विवाद में ना पड़े, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है. आप यदि ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति को धन उधार द

**मीन राशि :** बिजनेस कर रहे लोगों के लिए कुछ उतार-चढ़ाव लेकर आएगा, उन्हें अपने निवेश की योजनाओं पर विराम लगाना होगा और आपके अंदर एक्स्ट्रा एनर्जी रहने के कारण आप उसे इधर-उधर के कामों में ना लगाकर अपने कामों पर फोकस बनाए रखें. परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर आपको चल रहे आपसे वाद विवाद पर बातचीत करनी होगी और इसके साथ-साथ आप अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, नहीं तो बात कोई समस्या हो सकती है.

**ज्योतिष सेवा केन्द्र**
**ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री**

# हरित भारत के प्रति समर्पित रेलवे, आर्थिक विकास और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता

> भारत यह साबित कर रहा है कि आर्थिक विकास और पर्यावरण को लेकर प्रतिबद्धता की जिम्मेदारी एक साथ निभाई जा सकती है और ऐसा होना भी चाहिए। विश्व बैंक के लाजिस्टिक्स परफारमेंस इंडेक्स 2023 के अनुसार भारत अब 139 देशों में 38वें स्थान पर है जो 2014 की तुलना में 16 स्थान ऊपर है।

पा हर बार आप जब परिवहन के अन्य साधनों के बजाय रेलगाड़ी से यात्रा करने का चुनाव करते हैं, तो केवल आराम या सुविधा ही नहीं चुन रहे होते। आप एक स्वच्छ एवं हरित भारत को भी चुन रहे होते हैं। पिछले वर्ष 700 करोड़ से अधिक लोगों ने यात्रा के साधन के रूप में भारतीय रेल को चुना। रेल हमारी जीवन रेखा है और भविष्य के लिए एक हरित वादा भी।विश्व पर्यावरण दिवस पर भारतीय रेलवे सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है। रेलवे देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए पंचामृत लक्ष्यों–2070 तक शून्य उत्सर्जन को साकार करने में सहायता कर रहा है और एक बहुआयामी दृष्टिकोण के माध्यम से इसे संभव बना रहा है। यातायात को सड़क से रेल की ओर स्थानांतरित करके और स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा स्रोतों के साथ परिचालन को शक्ति प्रदान करके इस दिशा में बढ़ रहा है। ये कदम देश को बड़े पैमाने पर अर्थव्यवस्था को विकार्बनित (डीकाबोर्नाइज) करने में सहायता प्रदान कर रहे हैं।यात्रा सेवाओं के साथ ही माल ढुलाई में भी रेलवे की महत्ता समय के साथ बढ़ती जा रही है। 2013–14 में भारतीय रेल ने लगभग 105.5 करोड़ टन माल की ढुलाई की। 2024–25 के दौरान यह

ढुलाई बढ़कर 161.7 करोड़ टन हो गई है। इससे भारतीय रेलवे दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा माल ढोने वाला रेलवे बन गया है। विशेषज्ञों द्वारा की गई गणनाओं का उपयोग करते हुए सड़क के बजाय रेल के जरिये माल ढुलाई से संबंधित इस बदलाव ने 14.3 करोड़ टन से अधिक कार्बन डाईआक्साइड के उत्सर्जन को रोकने में मदद की है।यह 121 करोड़ पेड़ लगाने जैसा है। रेल द्वारा माल परिवहन की लागत सड़क मार्ग से होने वाले परिवहन की लागत की लगभग आधी है। इसका अर्थ है कि न केवल व्यवसायों, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी बचत। इस बदलाव से पिछले दशक में लाजिस्टिक्स की लागत में 3.2 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है। भारतीय रेल स्वच्छ भी है और ट्रकों की तुलना में इससे 90 प्रतिशत कम कार्बन डाईआक्साइड का उत्सर्जन होता है। परिणामस्वरूप हमारे आसमान में कम धुआं निकलता है और हमें स्वच्छ हवा मिलती है। सड़क से रेल की ओर होने वाले इस बदलाव ने हमें 2,857 करोड़ लीटर डीजल की बचत कराई है, जो ईंधन लागत में लगभग दो लाख करोड़ रुपये की बचत के बराबर है।चूंकि भारत तेल आयात करता है, इसलिए परिवहन क्षेत्र का विद्युतीकरण करना रणनीतिक रूप से एक समझदारी भरा कदम है, ताकि आयात पर निर्भरता कम हो। 2014 से पहले के 60 वर्षों में भारतीय रेल ने 21,000 किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया। जबकि पिछले 11 वर्षों के दौरान हमने 47,000 किमी रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया है। आज हमारे ब्राड गेज नेटवर्क का 99 प्रतिशत हिस्सा विद्युतीकृत है। भारतीय रेल स्टेशनों, कारखानों और कार्यशालाओं के लिए हरित ऊर्जा का उपयोग तेजी से कर रहा है।अब यह रेलगाड़ियों के परिचालन के लिए अधिक हरित ऊर्जा प्राप्त करने हेतु राज्यों के साथ मिलकर काम कर रहा है। यह सब भारत को शुद्ध शून्य उत्सर्जन के अपने लक्ष्य को हासिल करने में सहायता देगा। इस गति को आगे बढ़ाते हुए डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर (डीएफसी) को विद्युतीकृत किया गया है। उच्च क्षमता वाली रेलवे लाइनें भी हैं, जिन्हें विशेष रूप से माल परिवहन के लिए डिजाइन किया गया है।कुल 2,741 किमी परिचालन के साथ डीएफसी ने सड़कों पर भीड़भाड़ कम की है और डीजल की खपत एवं कार्बन उत्सर्जन को भी घटाया है। भारत हाइड्रोजन संचालित ट्रेन जैसी आधुनिक, शून्य–उत्सर्जन तकनीक भी अपना रहा है। पहली ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच चलेगी और 2,600 यात्रियों को ले जाएगी। यह दुनिया की सबसे शक्तिशाली और सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन होगी।भारत यह साबित कर रहा है कि आर्थिक विकास और पर्यावरण को लेकर प्रतिबद्धता की जिम्मेदारी एक साथ निभाई जा सकती है और ऐसा होना भी चाहिए। विश्व बैंक के लाजिस्टिक्स परफारमेंस इंडेक्स 2023 के अनुसार भारत अब 139 देशों में 38वें स्थान पर है, जो 2014 की तुलना में 16 स्थान ऊपर है।रेलवे विद्युतीकरण के विस्तार ने लागत और उत्सर्जन को कम किया है। इसने गति और क्षमता भी बढ़ाई है, जिससे भारत को विश्वस्तरीय लाजिस्टिक्स मानकों के निकट पहुंचने में मदद मिली है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय रेलवे के लिए शुद्ध शून्य उत्सर्जन हासिल करने के लिए 2030 का लक्ष्य तय किया है।तेजी से हो रहे विद्युतीकरण और बड़े पैमाने पर माल को सड़क से रेल की ओर स्थानांतरित करने के कारण भारतीय रेलवे 2025 तक ही नेट जीरो (स्कोप 1) हासिल करने की ओर अग्रसर है। चूंकि भारतीय रेलवे सतत विकास के साथ पर्यावरण का भी ध्यान रख रहा है, इसलिए हर विद्युतीकृत ट्रैक, हर सौर पैनल और सड़क से हटा प्रत्येक मालवाहक कंटेनर हमारे लोगों और हमारी धरती के उज्जवल भविष्य के प्रति एक शपथ है।

# देश के भविष्य नन्हे बच्चों का कुपोषण? संवेदन शून्यता

संजीव ठाकुर

ऐसे में मनुष्य के चांद पर जाने का क्या फायदा जब भूखा नन्हा बच्चा गोल चांद को पृथ्वी से निहार कर गोलाकार रोटी समझ खाने के लिए ललचा जाता हो और माँ से कहता है माँ क्यों न हम रोटियों के पेड़ लगाएं और रोटी तोड़ें आम तोड़ें खाएं।

पूरा विश्व आज नन्हे बच्चों के कुपोषण का शिकार है। वैश्विक स्तर पर बच्चों के कुपोषण अल्प पोषण स्तिथि चिंतनीय हो चुकी है। भारत मे सबसे ज्यादा महाराष्ट्र,बिहार, गुजरात और मध्यप्रदेश में बच्चों के कुपोषण का प्रतिशत है और ये राज्य देश के विकसित प्रदेशों में माने जाते हैं।

बच्चे देश के भविष्य होते है यदि देश का भविष्य ही कुपोषित रहेगा, कमजोर रहेगा तो सशक्त राष्ट्र की कल्पना करना बेमानी होगा भारत में बच्चों के भुखमरी तथा कुपोषण एक बड़े अभिशाप की तरह सामने आ रहे हैं यह देश की एक प्रमुख समस्या भी है देश में कुपोषण से बच्चे यानी आने वाले कल के जिम्मेदार नागरिकों की हालत बहुत ज्यादा चिंताजनक है सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश के 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में 33 लाख बच्चे कुपोषण के शिकार है और इनमें 50% बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित होकर बीमारी को झेल रहे हैं देश में भले ही जोर शोर से बाल दिवस हर साल मनाया जाता है और उसी पर करोड़ों खर्च कर दिया जाता है देश में एक महिला तथा बाल विकास मंत्रालय अलग खोल के रखा गया है, पर बच्चों के कुपोषण पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका है ऐसी क्या वजह है की नौनिहालों के पोषण के लिए केंद्र या राज्य सरकार के पास इतने संसाधन होने के बावजूद धन मुहैया नहीं हो पाता है मलेरिया, टीबी और ना जाने अन्य कितनी बीमारियों पर भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अरबों रुपए खर्च कर दिए हैं, पर जो भारत की मुख्य रीढ़ की हड्डी है यानी कि आने वाले कल के नागरिक वर्तमान के बच्चे यदि कुपोषित हैं तो यह अत्यंत चिंतनीय, सोचनीय तथा विचारणीय पहलू है सरकारी एजेंसियों द्वारा एक आर,टी,आई के जवाब में बताया गया कि 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों संकलित आंकड़ों के मुताबिक 34 लाख बच्चे कुपोषित पाए गए हैं इनमें सबसे ज्यादा महाराष्ट्र बिहार गुजरात और मध्यप्रदेश है विगत वर्षों में करोना संक्रमण के कारण भी बच्चे कुपोषित हुए हैं और आने वाले कल के दिन में भी और बच्चों के कुपोषण कथा मृत्यु की आशंका बढ़ गई है सरकारी आंकड़ों के हिसाब से 22 लाख बच्चे बहुत ज्यादा कुपोषित है एवं शेष 18 लाख बच्चे अल्प कुपोषित हैं जब अरबों रुपए अन्य बीमारियों के संक्रमण में लगाए जा सकते हैं तो एक अभियान के तहत बच्चों के कुपोषण को दूर करने के लिए भी मैराथन प्रयास किए जाने चाहिए जिससे बच्चे तो कम से कम कुपोषित ना हो वैसे भारत कुपोषण के मामले में वैश्विक स्तर पर बांग्लादेश तथा पाकिस्तान से भी पीछे है उसका नंबर 101वां है, ऐसे हालात में महिला तथा बाल विकास को महिलाओं तथा बच्चों के लिए ही एक विशेष अभियान चलाकर उन्हें कुपोषित होने से बचाना होगा पोषण ट्रैकर के हवाले से बताया गया कि सिर्फ महाराष्ट्र में ही कुपोषित बच्चों की संख्या छह लाख दर्ज की गई है जिनमें 1,57 लाख बच्चे अल्प कुपोषित तथा 4,58 लाख बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं। दूसरे नंबर पर बिहार प्रदेश आता है जहां 5लाख कुपोषित बच्चे और तीसरे नंबर पर गुजरात प्रदेश होता है जहां 3:30 लाख बच्चे कुपोषित हैं महाराष्ट्र बिहार गुजरात और मध्य प्रदेश बहुत सक्षम और देश के बड़े राज्य हैं, यहां पर स्वास्थ्य विभाग पर अरबों रुपए खर्च किए जाते हैं, फिर ऐसी क्या वजह है कि बच्चों के कुपोषण की दर इतनी ज्यादा तथा चिंताजनक हो गई है कुपोषित बच्चे भी बड़े होते हैं तो वह कई बीमारियों को लेकर धीरे-धीरे बढ़ते हैं और इससे उनकी लंबाई तथा स्वास्थ्य पर बहुत ज्यादा असर पड़ता है देश के 34% कुपोषित बच्चों का कद औसत कद से बहुत कम हो जाता है 21% बच्चे जो कुपोषण के कारण यदि वह बच भी जाते हैं तो उनका वजन अत्यंत कम हो जाता है

ऐसे कम लंबाई तथा कम वजन के बेचारे बच्चे देश का क्या भविष्य बना पाएंगे या देश में अपना योगदान क्या दे पाएंगे। इसीलिए भारत सरकार राज्य सरकारों को कम से कम बच्चों की तरफ तो ज्यादा से ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता होगी वैश्विक भूख सूचकांक( ग्लोबल हंगर इंडेक्स ) के आंकड़ों के हिसाब से 2021 में भारत 116 देशों में 101 वें स्थान पर पहुंच गया है इस मामले में हम अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल से काफी पीछे है इस मामले में भारत 2020 में ग्लोबल हंगर इंडेक्स के अनुसार 94 वें स्थान में था, और आज की स्थिति में 101 वे स्थान में पहुंच गया है। इसका सीधा सीधा मतलब है कि हर वर्ष कुपोषण से शिकार बच्चों की संख्या बेतहाशा बढ़ रही है। कुपोषण के मामले में भारत की राजधानी दिल्ली भी पीछे नहीं है दिल्ली प्रदेश की स्थिति भी चिंताजनक है अधिकारी और मंत्री भले बड़े-बड़े दावे करने में पीछे नहीं हटते हैं पर बच्चों की स्थिति चिंताजनक है,दिल्ली में ही 2 00लाख बच्चे कुपोषित हैं, आंध्र प्रदेश में 2,70लाख बच्चे कुपोषित हैं, कर्नाटक में 2,5 लाख बच्चे उत्तर प्रदेश में 19लाख बच्चे,तमिलनाडु में 1,80लाख ,असम में 1,80लाख और तेलंगाना में 1,60 लाख बच्चे कुपोषण की स्थिति में जी रहे हैं। इस देश में जहां अरबों रुपए सरकार के 40 से ज्यादा विभागों में सालाना खर्च किए जा रहे हैं, तो यह स्वास्थ्य विभाग में विशेष तौर पर बच्चों के लिए खर्च करने रिसर्च करने और उन पर विशेष ध्यान देने में कोताही क्यों बरती जा रही है। यह तथ्य न सिर्फ चिंतनीय है बल्कि स्वास्थ विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी महिला तथा बालकों के विकास के लिए विशेष अभियान चलाकर उनके स्वास्थ्य की रक्षा हेतु निर्देशित किया है। वैश्विक आंकड़े भी यही बताते हैं कि बच्चों को जो कि किसी भी देश का भविष्य होते हैं कुपोषण से हर तरह से सुरक्षित किया जाना सुनिश्चित करना होगा ,अन्यथा ये कुपोषित बच्चे ही आगे चलकर देश के नागरिक नागरिक बनेंगे। ऐसे में आप स्थिति की कल्पना कर सकते हैं

# बदलाव का वाहक बनती मधुमक्खियां

विजय गर्ग

गांव की किसी पगडंडी पर चलते हुए दूर से आती भनभनाहट और रंग-बिरंगी मधुमक्खियों की कतार देख कर बहुत से लोग शायद यही सोचें कि यह प्रकृति का कोई सामान्य दृश्य है मगर यही मधुमक्खियां अब ग्रामीण भारत में बदलाव की नई तस्वीर बना रही हैं।

मधुमक्खी पालन ऐसा व्यवसाय है, जिसमें रोजगार, पर्यावरण संतुलन, कृषि उत्पादकता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की संभावनाएं घुली हुई हैं। ये संभावनाएं केवल शहद बेचने तक सीमित नहीं, बल्कि एक पूरी मूल्य श्रृंखला का निर्माण करती हैं जो भारत को 'मीठी क्रांति' की ओर ले जा सकती हैं। भारत में मधुमक्खी पालन की परंपरा कोई नई नहीं है, लेकिन जिस रूप में अब यह वैज्ञानिक, संगठित और व्यावसायिक स्तर पर सामने आ रही है, वह पिछले कुछ दशकों की मेहनत और जागरूकता का परिणाम है।

देश में शहद का उत्पादन 1.33 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच चुका है। यही नहीं, भारत से शहद का निर्यात भी अब 50 से अधिक देशों में हो रहा है जिससे 750 1750 करोड़ रुपए 5 रुपए से अधिक की विदेशी मुद्रा अर्जित हो रही है। आंकड़े केवल व्यापार की कहानी नहीं सुनाते, ये एक नई आजीविका, आत्मनिर्भरता और जैव विविधता की संभावनाओं का द्वार खोलते हैं। मधुमक्खी पालन की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह ड्ट यह बहुत कम निवेश में शुरू हो सकता है। किसी भी उम्र, वर्ग और शिक्षा का व्यक्ति इसे सीख कर अपना काम शुरू कर सकता है। देश के कई हिस्सों में इस व्यवसाय ने बेरोजगार युवाओं, छोटे किसानों, महिलाओं और आदिवासियों को एक स्थायी और सम्मानजनक आय का माध्यम दिया है। झारखंड, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर पूर्वी राज्यों में अब यह एक मजबूत ग्रामीण उद्यम बन कर उभरा है। राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) जैसी योजनाएं भी इस दिशा में मील का पत्थर साबित हुई हैं। वर्ष 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत इसके लिए 500 करोड़ रुपए का विशेष पैकेज घोषित किया गया। इससे प्रशिक्षण, उपकरण, कालोनी वितरण, गुणवत्ता नियंत्रण और विपणन के लिए सुदृढ़ संरचना विकसित की जा रही है।

मधुमक्खी पालन का एक बड़ा वैज्ञानिक पहलू यह भी है कि 5 यह केवल शहद के लिए नहीं, बल्कि परागण के लिए भी अत्यंत जरूरी है। शोध बताते हैं कि जिन खेतों में मधुमक्खियों की उपस्थिति होती है, वहां फसलों की उत्पादकता में 15 से 40 फीसद तक की वृद्धि देखी जाती जाती है। ।इसका सीधा लाभ किसानों को होता है, क्योंकि बिना किसी अतिरिक्त लागत के उसकी फसल अधिक फलने-फूलने लगती है। सरसों, सूरजमुखी, तिल, सेब, अमरूद, मूंगफली और खीरा जैसी कई फसलें ऐसी हैं जो मधुमक्खियों की मदद के बिना बेहतर उपज नहीं दे सकतीं। यानी मधुमक्खी न केवल शहद देती है, बल्कि किसान की जमीन भी उपजाऊ बना देती है। इतना ही नहीं, मधुमक्खी पालन से मोम, जेली और मधु पराग जैसे उच्च मूल्य वाले उत्पाद भी मिलते हैं, जिनका उपयोग औषधि, सौंदर्य प्रसाधन, खाद्य पूरक और आयुर्वेदिक दवाओं में होता है। मोम से बनी मोमबत्तियां, साबुन और क्रीम अब शहरी बाजारों उच्च मांग वाले उत्पाद बन चुके हैं।

भारत में शहद की मांग लगातार बढ़ रही है, विशेषकर कोविड के बाद जब लोग प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए प्राकृतिक विकल्पों की ओर मुड़े आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति में शहद को 'योगवाहि' कहा गया है, जो अन्य औषधियों को शरीर में पहुंचाने में सहायक होता है। यही नहीं, 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथारिटी आफ इंडिया' यानी भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने भी शुद्ध शहद के लिए नए मानक तय कर दिए हैं

# महाराष्ट्र में इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य: फडणवीस

**प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत महाराष्ट्र ने हाल के वर्षों में लगातार अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण को जन आंदोलन का रूप देना होगा।**

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि राज्य सरकार ने इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को हरित महाराष्ट्र, समृद्ध महाराष्ट्र वृक्षारोपण अभियान की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए फडणवीस ने कहा कि पौधारोपण को जन आंदोलन बनाया जाना चाहिए।मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद जारी एक बयान में कहा, हमने इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया है और हम अगले वर्ष भी इसी लक्ष्य को दोहराने का प्रयास करेंगे, क्योंकि यह केवल आंकड़ों की बात नहीं है, बल्कि राज्य के हरित और टिकाऊ भविष्य के निर्माण की दिशा में एक प्रयास है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत महाराष्ट्र ने हाल के वर्षों में लगातार अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण को जन आंदोलन का रूप देना होगा।उन्होंने कहा, मैंने सभी विभागों, स्थानीय निकायों और सामाजिक संगठनों से इसमें भागीदारी करने की अपील की है। उन्होंने कहा, मैंने प्रतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (सीएएमपीए)निधि के प्रभावी उपयोग का निर्देश दिया है ताकि जमीनी स्तर पर स्पष्ट असर दिखाई दे। फडणवीस ने कहा कि वन विभाग राजमार्गों और तीर्थयात्रा मार्गों के किनारे पौधारोपण की अगुवाई करेगा।

# हिंदी राष्ट्र भाषा नहीं, महाराष्ट्र में पढ़ाई जाए सिर्फ मराठी और अंग्रेजी, नहीं तो... राज ठाकरे ने दी धमकी

**राज ठाकरे ने महाराष्ट्र के शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे से पहली कक्षा से मराठी और अंग्रेजी को अनिवार्य करने का लिखित आदेश जारी करने का आग्रह किया है।उन्होंने हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करने का विरोध किया और चेतावनी दी कि यदि सरकार तीन भाषाओं को पढ़ाने पर जोर देती है तो आंदोलन करेगी।**

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे ने बुधवार को राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे से एक खास अपील की। उन्होंने कहा कि वे जल्द से जल्द एक लिखित आदेश जारी करें। इस आदेश में यह साफ लिखा होना चाहिए कि पहली कक्षा से सिर्फ दो भाषाएं, मराठी और अंग्रेजी ही पढ़ाई जाएंगी। हिंदी को तीसरी भाषा के तौर पर अनिवार्य नहीं किया जाएगा।राज ठाकरे ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हमें पता चला है कि पहले तीन भाषाएं पढ़ाने के फैसले के आधार पर हिंदी की किताबों की छपाई शुरू हो गई है। अब जब किताबें छप गई हैं, तो क्या सरकार अपने ही फैसले से पीछे हटने की सोच रही है?

## राज ठाकरे ने दी वॉर्निंग

राज ठाकरे ने कहा कि मुझे लगता है कि ऐसा कोई प्लान नहीं है कि तीन भाषाएं पढ़ाई जाएंगी, लेकिन अगर ऐसा कुछ होता है, तो टठर आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि एमएनएस के आंदोलन की जिम्मेदारी सरकार की होगी।

## भाषाई पहचान पर फोकस

राज ठाकरे ने आगे कहा, 'देश के कई राज्यों ने पहली कक्षा से सिर्फ दो भाषाएं ही रखी हैं और हिंदी को अनिवार्य करने से मना कर दिया है। इसकी वजह है उनकी भाषाई पहचान। आप (भुसे को संबोधित करते हुए) और आपके कैबिनेट के साथी भी जन्म से मराठी हैं। आप कब दूसरे राज्यों के नेताओं की तरह हिंदी का विरोध करेंगे और अपनी भाषा की पहचान को बचाएंगे? हम उम्मीद करते हैं कि सरकार भी उन राज्यों की तरह अपनी भाषा के लिए मजबूत भावना दिखाएगी।'

## सरकार ने तीन भाषाएं पढ़ाने का किया था ऐलान

पिछले लगभग दो महीनों से महाराष्ट्र में पहली कक्षा से हिंदी भाषा को पढ़ाने को लेकर कंफ्यूजन बना हुआ है। पहले यह घोषणा की गई थी कि पहली कक्षा से छात्रों को तीन भाषाएं पढ़ाई जाएंगी, जिसमें हिंदी तीसरी अनिवार्य भाषा होगी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इसका विरोध किया, जिससे लोगों में नाराजगी फैल गई।हिंदी राष्ट्र भाषा नहीं: राज ठाकरेराज ठाकरे ने कहा कि लोगों का गुस्सा इतना ज्यादा था कि सरकार ने यह घोषणा कर दी



# पुणे के सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में मिला कोविड वायरस

**पुणे शहर के सभी 10 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में कोरोना वायरस पाया गया है, जिससे संक्रमण बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। उरकफ-नेशनल केमिकल लेबोरेटरी ने वेस्टवॉटर सर्विलांस के जरिए यह जानकारी दी है, जो पिछली बार संक्रमण बढ़ने से पहले की स्थिति के समान है।**

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

पुणे : मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में कोविड के मामले बढ़े हैं। इसी बीच पुणे शहर में कोविड-19 को लेकर डराने वाली खबर आई है। शहर के सभी 10 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में कोरोना वायरस मिला है। उरकफ-नेशनल केमिकल लेबोरेटरी ने यह जानकारी दी है। वेस्टवॉटर सर्विलांस के जरिए यह पता लगाया है। इससे पता चलता है कि पहले जैसे हालात बन रहे हैं, जैसे पिछली बार संक्रमण बढ़ने से पहले बने थे। वैज्ञानिक और माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉ. महेश एस धर्ने ने बताया कि अभी जो बढ़ोत्तरी दिख रही है, वह धीरे-धीरे हो रही है। लेकिन वेस्टवॉटर के सैंपल्स में पॉजिटिविटी का स्तर वैसा ही है, जैसा पहले संक्रमण बढ़ने से पहले था।लोगों को अलर्ट रहने की जरूरतडॉ. महेश ने कहा कि कोविड के फैलने के बारे में पहले ही पता चल जाता है। उन्होंने कहा कि पहला सैंपल 22 अप्रैल को एक रळढ से पॉजिटिव मिला था। 6 मई से सभी और हमें सावधान रहने की जरूरत है।इस तरह चलता है संक्रमण का पतावेस्टवॉटर सर्विलांस कोविड-19 को ट्रैक करने का एक महत्वपूर्ण तरीका बन गया है। इससे संक्रमण के बारे में क्लीनिकल केस आने से पहले ही पता चल जाता है। कई बार तो यह हफ़्तों पहले ही पता चल जाता है। इस तरीके में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से सीवेज के सैंपल लिए जाते हैं। फिर उनमें के जेनेटिक मटेरियल की पहचान की जाती है। यह वायरस संक्रमित लोगों के बहाए गए मल-मूत्र में होता है। इससे यह पता चल जाता है कि कितने लोग संक्रमित हैं, भले ही उनमें लक्षण हों या न हों और उन्होंने टेस्ट करवाया हो या न करवाया हो।पूरे इलाके की निगरानीयह सर्विलांस तकनीक पब्लिक हेल्थ के अधिकारियों को पूरे समुदाय में संक्रमण के बारे में जानकारी देती है। यह बिना लक्षण वाले मामलों और नए वेरिएंट को ट्रैक करने के लिए बहुत उपयोगी है। क्लीनिकल टेस्टिंग में यह देखना होता है कि लोग टेस्ट करवाने जा रहे हैं या नहीं और उन्हें हेल्थकेयर की सुविधा मिल रही है या नहीं। लेकिन वेस्टवॉटर मॉनिटरिंग से पूरे इलाके में वायरस की मौजूदगी का पता चल जाता है।

# कोस्टल रोड पर यात्रा नहीं सुरक्षित! ओवरस्पीडिंग से कई हादसे, BMC अब तक नहीं लगा पाई स्पीड डिटेकशन कैमरे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : दक्षिण मुंबई को पश्चिम उपनगर से जोड़ने के लिए बने कोस्टल रोड का पहला हिस्सा 11 मार्च, 2024 और दूसरा हिस्सा 26 जनवरी, 2025 को आवागमन के लिए खोल दिया गया था। लंबा समय बीत जाने के बाद भी बीएमसी कोस्टल रोड पर स्पीड डिटेक्शन कैमरे नहीं लगा पाई है। बीएमसी ने कोस्टल रोड के 8 स्थानों पर 28 स्पीड डिटेक्शन कैमरे लगाने की योजना बनाई थी, लेकिन यह अब तक लग नहीं पाए हैं। वहीं ओवर स्पीड के कारण कोस्टल रोड पर अब तक कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इनमें एक की मौत भी हो चुकी है।वहीं बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि कोस्टल रोड पर 15 जुलाई तक स्पीड डिटेक्शन कैमरे लगा दिए जाएंगे। सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता न होने के कारण कोस्टल रोड पर चोरी की घटना भी सामने आई है, बीएमसी ने पुलिस स्टेशन में चोरी के 6 मामले दर्ज कराए हैं। साथ ही कुछ एरिया में लाइट भी नहीं है। इसकी वजह से वाहन चालकों को परेशानी हो रही है।100 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चल सकती हैं गाड़ियां ट्रैफिक जाम में फंस कर धीरे-धीरे आगे बढ़ने वाले मुंबईकरों को कोस्टल रोड पर अधिकतम 80 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से गाड़ी चलाने का मौका मिलता है। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि मरीन ड्राइव से वर्ली तक बन रहे 10.58 किमी लंबे कोस्टल रोड पर गाड़ियां 100 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ़्तार से दौड़ सकें, ऐसा डिजाइन बनाया गया है, लेकिन सुरक्षा के मद्देनजर स्पीड की लिमिट 80 किमी प्रति घंटा ही रखी गई है।हर 100 मीटर पर एक कैमराअधिकारी ने बताया कि गाड़ियों की स्पीड पर नजर रखने के लिए यहां ट्रैफिक मैनेजमेंट कंट्रोल सिस्टम लगाने की योजना है। इसके लिए स्पीड डिटेक्शन कैमरे लगाए जाएंगे। यदि कोई चालक स्पीड ब्रेक करता है तो वह कैमरे में कैद हो जाएगा। उस गाड़ी की जानकारी ट्रैफिक पुलिस को दी जाएगी। उसके बाद ट्रैफिक पुलिस वाहन चालक पर दंड लगाएगी। बीएमसी अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा के मद्देनजर हर 100 मीटर पर एक सीसीटीवी लगाने की योजना है। यानी वर्ली से मरीन ड्राइव तक 100 सीसीटीवी लगाए जाएंगे।वाहन चालकों के सामने अंधेरे का खतराकोस्टल रोड पर सुरक्षा का खतरा पैदा हो गया है। क्योंकि कोस्टल रोड पर लगे बिजली के खंभों से चोर तांबे के तार काट कर उठा ले गए हैं। यह घटना मार्च में सामने आई थी।इसके लिए बीएमसी ने 6 मामले पुलिस स्टेशन में दर्ज कराए हैं। चोरी की ज्यादातर घटनाएं हाजी अली के पास और वर्ली लवग्रोव नाला के पास हुई हैं। जबसे केबल चोरी हुई है, तब से कोस्टल रोड पर लावग्रोव फ्लाइओवर और हाजी अली फ्लाइओवर के पास शाम 7 बजे के बाद अंधेरा छा जाता है। इसलिए बारिश के दौरान यहां से सफर करना वाहन चालकों के सामने चैलेंजिंग रहेगा। बीएमसी अधिकारी ने बताया कि यहां लाइट लगाने की योजना बनाई जा रही है।

# मध्य रेल की 'गो ग्रीन' पहल, शपथ ग्रहण और वृक्षारोपण अभियान के शुभारंभ के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

Photo credit : CPRO/CR

मध्य रेल ने पर्यावरणीय स्थिरता के लिए अपनी पूरी प्रतिबद्धता के साथ विश्व पर्यावरण दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर 'गो ग्रीन' अभियान की शुरूआत के साथ शपथ ग्रहण समारोह और वृक्षारोपण अभियान जैसी कई 'गो ग्रीन' पहल की शुरूआत की गई। इस मौके पर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्थित हॉल में पर्यावरण शपथ दिलाई गई, जिसमें मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री धर्मवीर मीणा, सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों (PHODs), मुख्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। यह शपथ रेलवे बोर्ड के सदस्य ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक (MTRS) द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दिलाई गई।सभा को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक श्री धर्मवीर मीणा ने जीवन चक्र में वृक्षों की अहम भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि ऊँचे पेड़ न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक होते हैं, बल्कि बिजली गिरने की स्थिति में प्राकृतिक सुरक्षा कवच के रूप में भी कार्य करते हैं। उन्होंने बरगद और पीपल जैसे देशी प्रजातियों के पेड़ों की विशेषताओं और उनके अपार पारिस्थितिक महत्व पर भी प्रकाश डाला। श्री मीणा ने मानवता के लिए वृक्षों द्वारा किए जा रहे मौन और निःस्वार्थ सेवा - जैसे कि ऑक्सीजन, छाया, आवास और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से बचाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने रेल कर्मियों से आान किया कि वे अपने दैनिक कार्यों में पर्यावरणीय जिम्मेदारी को अपनाएँ और सतत जीवनशैली को बढ़ावा दें ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति को संरक्षित रखा जा सके।बाद में, श्री धर्मवीर मीणा ने प्रमुख विभागाध्यक्षों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक सामूहिक वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया, जिसके तहत 100 पौधे रोपे गए। साथ ही आने वाले दिनों में 500 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो एक हरित भविष्य की दिशा में मध्य रेल की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।श्री मीणा ने प्लास्टिक के पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों पर एक विशेष प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी में दालों से बनी खाद्य योग्य कटलरी और विभिन्न प्रकार के प्लास्टिक उत्पाद प्रदर्शित किए गए, जिससे आगंतुकों को प्लास्टिक के पर्यावरणीय दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। यह प्रदर्शनी लोगों को प्लास्टिक से दूर रहने और इस वर्ष की वैश्विक थीम - प्लास्टिक प्रदूषण का अंत करें - के अनुरूप जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई।श्री धर्मवीर मीणा ने लोकमान्य तिलक टर्मिनस परिसर में एक जागरूकता रैली को भी नेतृत्व किया, जिसमें रेलवे स्टाफ, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स तथा सिविल डिफेंस टीम ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक प्रदूषण के उन्मूलन की आवश्यकता के प्रति जन-जागरूकता फैलाना था। इसी प्रकार की एक और रैली छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन पर आयोजित की गई, जिसमें स्टेशन स्टाफ ने भाग लिया और यात्रियों को विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए सतत जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित किया गयामध्य रेल द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस के यह कार्यक्रम हमारे ग्रह की रक्षा हेतु साझा जिम्मेदारी की सशक्त याद दिलाता है और यह संकेत देता है कि हर व्यक्ति छोटे-छोटे कदमों से भी एक हरित और स्वस्थ भविष्य की दिशा में योगदान दे सकता है।

# अंतरराष्ट्रीय मंच पर 140 करोड़ भारतीयों की भूमिका प्रस्तुत करने के लिए सांसद डॉ शिंदे की उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने की प्रशंसा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , विदेश में सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए शिवसेना सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर 140 करोड़ भारतीयों की भूमिका प्रस्तुत की। एक पिता के रूप में मुझे सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे पर गर्व है, ऐसा राज्य के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना के प्रमुख नेता एकनाथ शिंदे ने अपना उद्गार व्यक्त किया। दो सप्ताह के विदेश दौरे के बाद सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे बुधवार रात मुंबई स्थित अपने मुक्तागिरी निवास पर लौटे। उस समय उपमुख्यमंत्री शिंदे ने पत्रकारों से बातचीत की है। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि आज सभी के लिए खुशी का दिन है। सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे और उनके नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल आज स्वदेश लौट आया। चार देशों के दौरे के दौरान सांसद डॉ. शिंदे को 140 करोड़ भारतीयों की भूमिका प्रस्तुत करने का अवसर मिला। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने गर्व व्यक्त किया कि सांसद डॉ. शिंदे ने यह भूमिका सक्षमता से निभाई। हमें लग रहा था कि डॉ. श्रीकांत को उनकी मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद मेडिकल प्रैक्टिस के बजाय राजनीति जैसे अलग क्षेत्र में लाया गया था, लेकिन आज सांसद डॉ. शिंदे ने सही मायने में यह निर्णय लिया। यह देखकर कोई भी गर्व महसूस करेगा कि सांसद डॉ. शिंदे ने इस दौरे के दौरान न केवल भारत का पक्ष बेहतरीन तरीके से रखा बल्कि भारत के पक्ष में चारों देशों का समर्थन भी हासिल किया। इस प्रतिनिधिमंडल में अहलूवालिया जैसे वरिष्ठ नेता शामिल थे। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यापक दृष्टि झलकती है, साथ ही युवाओं को नेतृत्व का मौका देना और मार्गदर्शन के लिए वरिष्ठों को साथ भेजना। उन्होंने आगे कहा कि एनडीए की बैठक में ऑपरेशन सिंदूर का प्रस्ताव पेश करने का अवसर डॉ. शिंदे को दिया गया तो उपमुख्यमंत्री शिंदे ने युवा सांसद श्रीकांत शिंदे पर भरोसा करने और उन्हें प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने का अवसर देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सांसदों के विभिन्न प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर के लगभग 34 देशों में गए थे। पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। निर्दोष नागरिकों को मारे बिना आतंकवादी शिविरों को नष्ट कर दिया गया और प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी युद्ध रणनीति का परिचय दिया। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में सेना का पराक्रम देखने को मिला। भारत का रुख राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का है। सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने दुनिया को इस रुख को समझाने का काम किया।

# एनसीपी के दोनों गुटों के विलय पर कोई चर्चा या प्रस्ताव नहीं, सुप्रिया सुले की दो टूक

**राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का 26वां स्थापना दिवस 10 जून को पुणे में मनाया जाएगा। शरद पवार सुबह अपने गुट के नेताओं को संबोधित करेंगे, जबकि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार दिन में बाद में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।**

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

एनसीपी (सपा) सांसद सुप्रिया सुले ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दो प्रतिद्वंद्वी गुटों के एक साथ आने पर कोई चर्चा या प्रस्ताव नहीं आया है। शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी के दो गुटों के विलय को लेकर राजनीतिक हलकों में चल रही चर्चा के बारे में पूछे जाने पर सुले ने संवाददाताओं से कहा कि ₹कोई बड़ा बवाल नहीं है, जैसा कि बताया जा रहा है।₹ एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष और पार्टी प्रमुख शरद पवार की बेटी ने कहा कि आप हमें अगले कुछ दिनों में (विपक्षी) इंडिया गठबंधन की बैठक में देखेंगे, जब यह बैठक बुलाई जाएगी।

# सोलापुर मंडल ने उत्साहपूर्ण जन भागीदारी के साथ अंतर्राष्ट्रीय लेवल क्रॉसिंग जागरूकता दिवस 2025 मनाया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने 5 जून 2025 को अंतर्राष्ट्रीय लेवल क्रॉसिंग जागरूकता दिवस (ILCAD) मनाया, जिसमें लेवल क्रॉसिंग पर संरक्षा को बढ़ावा देने पर केंद्रित एक व्यापक और प्रभावशाली जन जागरूकता अभियान चलाया गया। अंतर्राष्ट्रीय रेल संघ (UIC) द्वारा संचालित वैश्विक पालन के साथ संरेखित इस पहल का उद्देश्य सूचित और जिम्मेदार सार्वजनिक व्यवहार के माध्यम से दुर्घटनाओं को रोकना और बहुमूल्य जीवन बचाना है रेल कर्मचारियों ने रेल क्रॉसिंगों और रेल स्टेशनों पर नागरिकों से सीधे संपर्क किया, उनसे बातचीत की और सूचनात्मक सामग्री वितरित की। अभियान के हिस्से के रूप में, मंडल के प्रमुख मार्गों पर विभिन्न लेवल क्रॉसिंग (एलसी) गेटों पर जागरूकता अभियान चलाए गए, जिनमें शामिल हैं:

- दौंड-सोलापुर सेक्शन
- सोलापुर-वाडी सेक्शन
- कुडूर्वाडी-मिरज सेक्शन
- कुडूर्वाडी-लातूर रोड सेक्शन

संरक्षा संदेशों को सुलभ और प्रभावशाली बनाने के लिए, सोलापुर मंडल की नुक्कड़ नाटक टीम ने तिलाटी एलसी गेट के समीप और सोलापुर स्टेशन पर एक विचारोत्तेजक नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। इस नाटक में लेवल क्रॉसिंग पर लापरवाही के खतरों पर प्रकाश डाला गया और महत्वपूर्ण संरक्षा प्रोटोकॉल को ऐसे प्रारूप में संप्रेषित किया गया, जो आम जनता के साथ प्रतिध्वनित हुआ।

इस अवसर पर अपने संदेश में, सोलापुर के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ने जोर दिया:

मैं सभी नागरिकों से अपील करता हूं कि कृपया संरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करें, रेल विभाग के गेटमैन के कर्तव्यों का सम्मान करें। इसलिए, हम गेट पर दुर्घटनाओं और जान-माल के नुकसान से बचने के लिए नियमों का पालन करके आपके सहयोग की अपेक्षा करते हैं।

इस अभियान में मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम), अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (एडीआरएम), सभी वरिष्ठ अधिकारी, स्टेशन मास्टर (एसएम), यातायात निरीक्षक (टीआई), स्थायी पथ निरीक्षक (पीडब्ल्यूआई) और सोलापुर मंडल के अन्य फ्रंटलाइन कर्मचारियों का सक्रिय समन्वय और भागीदारी देखी गई। उनके सम्मिलित प्रयासों ने जमीनी स्तर पर प्रभावी आउटरीच सुनिश्चित की, जो सार्वजनिक संरक्षा को बढ़ावा देने में एकजुट मोर्चे को दशार्ता है। सोलापुर मंडल सुरक्षा, सामुदायिक आउटरीच और सक्रिय जागरूकता निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है, और सभी नागरिकों से रेलवे क्रॉसिंग को दुर्घटना-मुक्त क्षेत्र बनाने में हाथ मिलाने का आह्वान करता है। 'सुरक्षित गेट, सुरक्षित जीवन' - यह हमारी साझा जिम्मेदारी है।

## अगर शिवसेना (उबाठा) गठबंधन को लेकर गंभीर है तो आदित्य को राज ठाकरे से मिलना चाहिए: मनसे नेता

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता प्रकाश महाजन ने कहा है कि अगर शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (उबाठा) दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर वाकई गंभीर है

मध्य रेल

मुंबई मंडल

ओएचई संशोधन कार्य

खुली ई-निविदा सूचना स. BB.LD.585.W.874.CONT दिनांक 03.06.2025

**कार्य का नाम** : मुंबई डिवीजन में DW-BSR सेक्शन में जुचंद्रा-वसई रोड स्टेशनों के बीच किमी 80/7-9 पर लेवल क्रॉसिंग नंबर 10 के बदले आरओबी के निर्माण के संबंध में 25 केवी ओएचई संशोधन कार्य। **अनुमानित लागत** : रू. 45,50,830/-, **बिड सिक्योरिटी** : रू. 91,000/-, **ऑफर की वैधता** : 60 दिन, **समापन अवधि** : 8 महीने, **निविदा फार्म का मूल्य** – रु. 0/-, 1) उक्त निविदा का, निविदा बंद करेने की तारीख और समय : दिनांक 25.06.2025 को 11:00 बजे तक, और 11:00 बजे के बाद खोला जाएगा। 2) शुद्धिपत्रक के विवरण हेतु अग्रदर्शी निविदाओं के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in पर भेट देने का अनुरोध है। 3) केवल वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से उपर्युक्त इलेक्ट्रॉनिकलि ई-टेन्डर में निविदाधारक सहभाग ले सकते है और ई-टेन्डर के अलावा हस्तचलित प्रस्तुत करने का निवेदन देने की अनुमति नही है। हस्तचलित रुप से, यदि निविदा खुलने के बाद की प्रस्तुति का विचार नही किया जाएगा। 4) निविदा दस्तावेज में दिए गए विवरण के अनुसार बिड सिक्योरिटी का भुगतान किया जाना चाहिए। 5) अतिरिक्त जानकारी के लिए संपर्क : वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण), दूसरी मंजील, एनेक्स भवन, सीएसएम टी मुंबई-400001, फोन - 022-22612355. निवीदओं संबंधी संपूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी संपूर्ण विवरण वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण), दूसरी मंजील, एनेक्स भवन, सीएसएमटी मुंबई-400001 के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।

SUN 150 वरि. मंडल विद्युत इंजिनीयर (क./वि.)

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

सोलापूर मंडल

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापूर, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिये ई-निविदाये आमंत्रित करते है।

| निविदा क्र. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत रु. | बयाना रक्कम | समापन की अवधी | अनुरक्षण की अवधी |
|---|---|---|---|---|---|
| 16-2025-SrDENC | Daund - Wadi-TFTR - 3.00 km by cut & connection method under ADEN(T)/SUR in Solapur division. | Rs. 86779938.37 | Rs. 583900.00 | 12 Months | NA |
| www.ireps.gov.in इस वेबसाईट पर टेंडर अपलोड करणे कि अंतिम दिनांक और समय | | 25.06.2025 को 15:00 बजे तक | | | |
| www.ireps.gov.in इस वेबसाईट पर टेंडर खुलने का दिनांक और समय | | 25.06.2025 को 15:30 बजे | | | |

निविदाकारोंसे निवेदन है की कोई बदलाव/शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिये वेबसाइट www.ireps.gov.in पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दे।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य),
मध्य रेल, सोलापूर

SUN 74 अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

सोलापूर मंडल

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापूर, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिये ई-निविदाये आमंत्रित करते है।

| निविदा क्र. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत रु. | बयाना रक्कम | समापन की अवधी | रखरखाव अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 13-2025-SrDENC | TRR(P) -7 km, TSR(P) -12.71 Km, Casual renewal of rail -4 Km & casual renewal of sleepers 3 Km, CTR(P)- 5.655 Km, TRR(P) -4.237 Km in yards, renewal of SEJ with TWSEJ and Glued joints, TTR(TSR) & TTR (TWS+WCMS), TFR - 36.13 km and TTR (TFR) in ADEN/SUR(T) section under Sr. DEN(S) SUR jurisdiction in Solapur division. | Rs. 65391168.44 | Rs. 477000.00 | 12 Months | NA |
| 14-2025-SrDENC | TSR(P) -11.9 Km, Casual renewal of rail -4 Km & casual renewal of sleepers 3 Km, CTR(P)- 1 km in yards, renewal of SEJ with TWSEJ and Glued joints, TTR(TSR) & TTR (TWS+WCMS), TFR - 6.1 km and TTR(TFR) in ADEN/KLBG section under Sr.DEN(S) SUR jurisdiction in Solapur division. | Rs. 37408054.56 | Rs. 337100.00 | 12 Months | NA |
| 15-2025-SrDENC | 47.3 Km TBR Work under th jurisdiction of ADEN/T/SUR in Solapur division | Rs. 84157008.99 | Rs. 570800.00 | 12 Months | NA |
| www.ireps.gov.in इस वेबसाईट पर टेंडर अपलोड करणे कि अंतिम दिनांक और समय | | 23.06.2025 को 15:00 बजे तक | | | |
| www.ireps.gov.in इस वेबसाईट पर टेंडर खुलने का दिनांक और समय | | 23.06.2025 को 15:30 बजे | | | |

निविदाकारोंसे निवेदन है की कोई बदलाव/शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिये वेबसाइट www.ireps.gov.in पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दे।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य),
मध्य रेल, सोलापूर

SUN 73 अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

# विश्व पर्यावरण दिवस पर गोग्रीन रेवलूशन मुहिम के तहत कामगार हॉस्पिटल में वृक्षारोपण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ( युनिस खान ) पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए गोग्रीन रेवलूशन मुहिम के तहत आज इंडो काउंट फाउंडेशन एवं कामगार हॉस्पिटल के संयुक्त सहयोग से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर कुल 60 पौधों का रोपण किया गया, जिनमें प्रमुख रूप से शीशम, जामुन और करंज जैसे पर्यावरण हितैषी पौधे शामिल थे। संस्था के संस्थापक एडवोकेट विनय कुमार सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में कामगार हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. मुगलिकर , इंडो काउंट फाउंडेशन से कुमुद गोस्वामी (सीनियर जी.एम. - मार्केटिंग) और समीर भीवापुरकर (सीनियर जी.एम. - एच.आर. एंड एडमिन) की विशेष उपस्थिति रही। इस प्रेरणादायी अभियान में गोग्रीनरेवलूशन टीम ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। टीम के प्रमुख सदस्यलक्ष्मी मौर्या, एडवोकेट शिक्षा संस्कार, रणजीत सिंह, गोपाल ठाकुर, आशीष सिंह, सूरज राजभर, सोनू मल्लाह और हर्ष सिंह आदि का विशेष योगदान रहा। सभी सदस्यों ने केवल पौधारोपण ही नहीं किया, बल्कि पौधों की देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी स्वयं ली।यह आयोजन पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने और आने वाली पीढ़ियों को एक हरा-भरा भविष्य देने के संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

# ओवला-माजीवाडा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्य 15 अगस्त तक पूरे किए जाएं

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे मनपा क्षेत्र में ओवला-माजीवाडा विधानसभा क्षेत्र में चल रहे अधिकांश बुनियादी ढांचे के काम प्रगति पर हैं और सभी एजेंसियों को 15 अगस्त तक उनका उद्घाटन करने की योजना बनानी चाहिए। इस आशय का परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने निर्देश दिए हैं। ठाणे मनपा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों तथा सरकार से स्वीकृत निधि के व्यय, एमएमआरडीए के माध्यम से किए जा रहे सड़क कार्यों आदि की समीक्षा बैठक का आयोजन ठाणे मनपा मुख्यालय में परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की अध्यक्षता में किया गया। स्वर्गीय अरविंद पेंडसे सभागृह में यह बैठक हुई। इस बैठक में मनपा आयुक्त सौरभ राव, अतिरिक्त आयुक्त संदीप मालवी, अभियंता प्रशांत सोनागरा, सहायक निदेशक शहरी नियोजन संग्राम कानडे, एमएमआरडीए निदेशक (परियोजनाएं) अनिल सालुंखे, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षक अभियंता सिद्धार्थ तांबे, मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अधीक्षक अभियंता विनय सुर्वे सहित मनपा, एमएमआरडीए, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। घोड़बंदर रोड तथा उसके आसपास चल रहे सभी कार्यों के कारण आने वाले महीनों में इस क्षेत्र की तस्वीर और भी बदलेगी। परिवहन मंत्री सरनाईक ने स्पष्ट किया कि सभी एजेंसियां ??समन्वय स्थापित कर कार्य करवाएं। साथ ही, मानसून के दौरान पानी जमा होने से रोकने और घोड़बंदर क्षेत्र के गांवों को बारिश के पानी से प्रभावित होने से बचाने के लिए सभी एजेंसियों को सतर्क रहना चाहिए। इस संबंध में मनपा ने इस क्षेत्र में 22 पुलियाओं की सफाई की है। इनमें से चार पुलिया जो पूरी तरह से जाम हो गई थीं, उन्हें भी साफ कर दिया गया है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने विश्वास व्यक्त किया कि मानसून के दौरान इसका निश्चित रूप से लाभ होगा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि गायमुख घाट में सड़क के चौड़ीकरण के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण का अभी से अध्ययन किया जाना चाहिए। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने ठाणे मनपा क्षेत्र में चल रहे प्रोजेक्टों की भी समीक्षा की, जैसे गायमुख कचरा परियोजना, नागला बंदर में अरमार केंद्र, शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे स्मृति उद्यान और डिजिटल एक्वेरियम, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सांस्कृतिक भवन और विपश्यना केंद्र, धर्मवीर आनंद दिघे खेल परिसर, लता मंगेशकर संगीत गुरुकल, 12 पार्क, स्विमिंग पूल, तालाब सौंदर्यीकरण, आर्ट गैलरी, श्मशान, सामुदायिक भवन, अग्री-कोली भवन, फुटबॉल टर्फ, येउर में आदिवासी संस्कृति केंद्र, प्रस्तावित नालियों का निर्माण, अमृत जलापूर्ति योजना और पुराने कुओं का पुनरुद्धार आदि प्रोजेक्टों की वर्तमान स्थिति की भी समीक्षा की। वहीं, एमएमआरडीए के माध्यम से 19 सड़कों पर काम किया जा रहा है। सड़कों का सर्वेक्षण किया जा चुका है और 2 सड़कों पर काम शुरू हो गया है। मनपा आयुक्त सौरभ राव ने इस बैठक में स्पष्ट किया कि कुल भूमि अधिग्रहण का 46 प्रतिशत हिस्सा लंबित है और मनपा इसे प्राथमिकता देगी। आयुक्त राव ने यह भी निर्देश दिया कि सभी विभाग 15 अगस्त तक उद्घाटन की तैयारी कर लें।

फास्ट ट्रैक

# अवैध खनन पर एसडीएम की कार्रवाई

## शाहजहांपुर में रेपर मशीन और ट्रैक्टर-ट्राली सीज, एक सप्ताह पहले भी हुई थी कार्रवाई

शाहजहांपुर , थाना परौर क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन का मामला सामने आया है। एसडीएम अभिषेक प्रताप सिंह ने खजुरी गांव के पास गढ़ी मोड़ पर छापेमारी की। मौके से एक रेपर मशीन और एक ट्रैक्टर-ट्राली को खनन करते हुए पकड़ा गया। एसडीएम को कई दिनों से क्षेत्र में अवैध खनन की सूचनाएं मिल रही थीं। पकड़े गए वाहनों को सीज कर परौर पुलिस को सौंप दिया गया है। इससे पहले उपनिरीक्षक प्रांजल यादव ने भी इसी मशीन और चार ट्रैक्टर-ट्रालियों को सीज किया था। लगभग एक सप्ताह पहले ही मशीन और ट्रैक्टर-ट्राली को छोड़ा गया था। इसके बावजूद खनन माफिया अवैध गतिविधियां जारी रखे हुए थे। क्षेत्र में लगातार हो रहे खनन की जानकारी परौर पुलिस को नहीं थी। एसडीएम द्वारा मशीन पकड़े जाने के बाद ही पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीएम अभिषेक प्रताप सिंह ने बताया कि कार्रवाई की रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेज दी गई है।

# नाबालिग लड़की को भगाने का आरोपी पकड़ा

## तिलहर के मझिला गांव से पुलिस ने दबोचा, आगे की कार्रवाई जारी

शाहजहांपुर , शाहजहांपुर के खुदागंज थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगाने के मामले में पुलिस ने बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी मझिला गांव स्थित शिव मंदिर के पास से की गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने अपने भाइयों के साथ मिलकर नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले गया था। इस संबंध में थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। गुरुवार को पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

# कलान में गंगा दशहरा पर ढाई घाट की सफाई

## गंगा समग्र कार्यकताओं ने स्वच्छता अभियान चलाया, परशुराम प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की

कलान, गंगा दशहरा के अवसर पर गंगा समग्र के कार्यकताओं ने ढाई घाट पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। कार्यकताओं ने घाट की सफाई के बाद लोगों को स्वच्छता संदेश पत्रक वितरित किए। इस दौरान कार्यकताओं ने लोगों को मां गंगा को स्वच्छ, निर्मल और अविरल रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम के बाद सभी कार्यकर्ता गंगा समग्र कार्यालय, ढाई घाट पर आयोजित भगवान परशुराम जी की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए।

# उपमुख्यमंत्री हरित ठाणे अभियान का परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने वृक्षारोपण कर किया उद्घाटन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ठाणे मनपा ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की संकल्पना के 'हरित ठाणे अभियान' के तहत एक वर्ष में दो लाख पेड़ लगाने का संकल्प लिया है। इस अभियान का उद्घाटन गुरुवार की सुबह परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक द्वारा मनपा की नियोजित रेमंड कंपनी के भूखंड स्थित नई इमारत के प्रांगण में वृक्षारोपण कर रेमंड कंपनी में किया गया। साथ ही नौपाड़ा के गावदेवी मैदान में आयोजित संकल्प हरित ठाणे के तहत शून्य अपशिष्ट और पर्यावरण की भव्य प्रदर्शनी का भी उसी समय ऑनलाइन उद्घाटन किया गया। यह प्रदर्शनी रविवार 8 जून तक सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक सभी के लिए निःशुल्क खुली रहेगी। ठाणे और उसके आसपास के इलाकों में हरियाली बढ़ाने के लिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की संकल्पना के तहत हरित ठाणे अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का यह दूसरा साल है। हरित ठाणे अभियान की योजना मनपा आयुक्त सौरभ राव के निदेर्शानुसार बनाई है। इस अभियान के तहत दो लाख पांच हजार पेड़ लगाने की विस्तृत योजना बनाई गई है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने इसका शुभारंभ किया। उन्होंने राज्य के तीन फूल तम्हाण, बकुल और तुरडा लगाकर इस अभियान की शुरूआत की और नागरिकों को पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर मनपा आयुक्त सौरभ राव, पूर्व महापौर हरिश्चंद्र पाटिल, अतिरिक्त आयुक्त (1) संदीप मालवी, अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे, उपायुक्त मनीष जोशी, उपायुक्त मधुकर बोडके, उपायुक्त शंकर पटोले, सहायक आयुक्त राजेश सोनवणे, मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रानी शिंदे आदि उपस्थित थे। इस अभियान में ठाणे में कुल दो लाख पांच हजार पेड़ लगाए जाएंगे। इसमें से 30 हजार पेड़ मियावाकी पद्धति से, पांच हजार पेड़ विभिन्न डेवलपर्स के माध्यम से, पांच हजार पेड़ निजी संस्थाओं, स्कूलों, कॉलेजों, सामाजिक संगठनों, आवासीय आवास परिसरों और सरकारी कार्यालयों की भागीदारी से लगाए जाएंगे। साथ ही शेवग्न द्वारा 10 हजार पेड़ लगाए जाएंगे। इसके साथ ही मनपा आतकोली स्थित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना क्षेत्र में बांस की प्रजाति के पांच हजार विशेष पेड़ लगाएगी। मनपा क्षेत्रीय वन विभाग और संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान की भूमि पर कुल एक लाख तीस हजार पेड़ लगाने की योजना बना रही है। मनपा कोलशेत वायुसेना स्टेशन के क्षेत्र में मियावाकी पद्धति से 20,000 पेड़ लगाने की योजना बना रही है। पिछले साल ठाणे मनपा ने इस अभियान में कुल एक लाख 27 हजार पेड़ लगाए थे।

# गावदेवी मैदान में भाजपा कौ एक पेड़ माँ के नाम" वृक्षारोपण अभियान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा नौपाड़ा मंडल द्वारा गावदेवी मैदान में ?एक पेड़ माँ के नाम" अभियान चलाया गया। इस मैदान के पास पेड़ लगाकर पर्यावरण की रक्षा करने का संकल्प लिया गया। अभियान का शुभारंभ भाजपा विधायक संजय केलकर और पूर्व वरिष्ठ नगर सेवक संजय वाघुले ने किया। पर्यावरण संरक्षण के लिए ठाणे शहर में 1,000 शेवगा पेड़ और नीम के पेड़ लगाए जाएंगे। विश्व पर्यावरण दिवस और आपातकाल के 50 साल पूरे होने के अवसर पर भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश द्वारा 5 जून से 15 अगस्त तक पूरे राज्य मेंै एक पेड़ माँ के नाम" अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत पूर्व वरिष्ठ नगर सेवक संजय वाघुले के मार्गदर्शन में मंडल अध्यक्ष रोहित गोसावी और महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष वृषाली वाघुले ने वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अभियान को भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ-साथ नागरिकों का भी समर्थन मिला। विधायक संजय केलकर ने नागरिकों से वृक्षारोपण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ों को बचाने का संकल्प लेने की अपील की। संजय वाघुले ने कहा कि अगले एक महीने तक ठाणे शहर के विभिन्न हिस्सों में वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। वरिष्ठ कार्यकर्ता शरद पुरोहित, भाजपा शहर उपाध्यक्ष जयेंद्र कोली, परिवहन समिति सदस्य विकास पाटिल, नौपाड़ा मंडल अध्यक्ष रोहित गोसावी, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष वृषाली वाघुले, वार्ड अध्यक्ष प्रतीक सोलंकी, प्रशांत कलंबटे, राजेश ठाकरे, राजेश जाधव, सागर पिसल, हिमांशु राजपूत, ज्ञानेश्वर अंदुरे, संतोष ओमाले, बब्लू शर्मा, हनीफ खान, ललित विभुतेसाई ,ताई कारुलकर, कल्याणी वाघमारे, भावनाबेन पोलाडिया, सरिता सालुंखे, शिल्पा उतेकर, श्रीमती गावड़े, भक्ति मोहिते, भाग्यश्री मुले, विशाखा कंकोसे, मधुरा जोगलेकर, कमल सावले और अन्य भाजपा कार्यकताओं ने भाग लिया। 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल पर्यावरण के संरक्षण और भावी पीढ़ियों को स्वच्छ हवा प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण होगी। इसके लिए नागरिकों को वृक्षारोपण में भाग लेना चाहिए। संजय वाघुले ने नागरिकों से पौधे के लिए भाजपा कार्यालय से संपर्क करने की अपील की। मंडल अध्यक्ष रोहित गोसावी और वृषाली वाघुले ने कहा कि नौपाड़ा में वृक्षारोपण करने की इच्छुक सहकारी समितियों को पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे।

# ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अशफाक अहमद का खुइलन धाम मेले में जोरदार स्वागत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़ , विश्वनाथ गंज-मान्धाता विकास खंड के ग्राम सभा नेवाडी स्थित पौराणिक और ऐतिहासिक खुइलन धाम पर गंगा दशहरा के पावन अवसर पर आयोजित गंगा दशहरा मेला का आयोजन किया गया। क्षेत्र के लोगों और सामाजिक संस्थाओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया/ मेला परिसर में खुइलन धाम सेवा समिति के अध्यक्ष एडवोकेट सत्य नारायण यादव, उपाध्यक्ष रवीन्द्र यादव (शारदा), पूर्व प्रधान रमाकांत यादव, संजय यादव सहित मेला परिसर में उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। खुइलन धाम सेवा समिति के उपाध्यक्ष रवीन्द्र यादव ने स्वागत भाषण में कहा कि ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अशफाक अहमद ने खुइलन धाम के सौंदर्यीकरण के लिए क्षेत्र पंचायत निधि से जो सहयोग किया है वह सराहनीय है। उस सहयोग पर हमें खुशी है आज हम ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अशफाक अहमद का सम्मान करते हुए अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। समिति के अध्यक्ष एडवोकेट सत्यनारायण यादव ने ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अशफाक अहमद का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अशफाक अहमद क्षेत्र पंचायत निधि से क्षेत्र के विकास में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। बगैर किसी भेदभाव के प्रत्येक ग्राम सभा और धार्मिक स्थलों पर विकास कार्य में निधि का इस्तेमाल कर रहे हैं। खुइलन धाम का सौंदर्यीकरण सबसे बड़ा उदाहरण है। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अशफाक अहमद ने खुइलन धाम सेवा समिति द्वारा आयोजित इस समारोह में स्वागत के लिए समिति का आभार व्यक्त करते हुए गंगा दशहरा की लोगों को बधाई दी। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अशफाक अहमद ने कहा कि खुइलन धाम का सौंदर्यीकरण ड्रीम प्रोजेक्ट की तर्ज पर जिला प्रशासन करवा रहा है। सीडीओ मैडम खुइलन धाम के सौंदर्यीकरण को लेकर सराहनीय प्रयास कर रही है। नेवाडी ग्राम सभा के प्रधान अनिल यादव की खुइलन धाम के सौंदर्यीकरण में अच्छी भूमिका रही है। पी डी दयाराम यादव, प्रभारी खंड विकास अधिकारी विजय कुमार गौतम और सेक्रेटरी ओमप्रकाश सरोज खुइलन धाम परिसर की दिशा और दशा बदलने में मेहनत की है। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अशफाक अहमद ने खुइलन धाम के सौंदर्यीकरण में साथ और सहयोग देने वाले मदपुर प्रधान और सराय बाबू प्रधान का भी आभार व्यक्त किया। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अशफाक अहमद मेला का भ्रमण किया दुकानदार और मेला देखने आए लोगों से मुलाकात की मेला परिसर की व्यवस्था और साफ-सफाई का जायजा लिया। मेले की व्यवस्था के लिए मौजूद ब्लाक के अधिकारी और कर्मचारी से बातचीत की। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अशफाक अहमद मां खुइलन धाम सेवा ट्रस्ट और बाबू राम प्रकाश यादव चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शरबत वितरण कार्यक्रम में पहुंचे। जहां पर अध्यक्ष आर पी यादव और अध्यक्ष पत्रकार विजय यादव ने जोरदार स्वागत किया शरबत वितरण कर रहे लोगों का ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अशफाक अहमद ने उत्साह वर्धन किया।

# परिमंडल 4 के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ जांच शिबिर

## पुलिस प्रशासन, पत्रकारों, एनजीओ कार्यकताओं ने निःशुल्क जांच शिविर का लाभ उठाया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर.हिराली फाउंडेशन उल्हासनगर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के उपलक्ष में हियरिंग वेल क्लिनिक और गेट वेल क्लिनिक उल्हासनगर क्रमांक 3 में आंखों और कानों की जांच शिविर का आयोजन किया गया। हिराली फाउंडेशन का मानना है कि ध्वनि प्रदूषण का सबसे अधिक शिकार पुलिस प्रशासन, पत्रकार बन्धु, सामाजिक संस्था और एनजीओ के कार्यकर्ता होते है, क्योंकि वे 24 घंटे जनता की सेवा में लगे रहते है। इसी बात को लक्ष्य करते हुए फाउंडेशन ने पुलिस और ट्रैफिक पुलिस, पत्रकारों, सामाजिक संस्थाओं और एनजीओ कार्यकताओं के लिए निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया। यह शिविर सुबह से शाम तक चलता रहा। इस शिविर के माध्यम से बड़ी संख्या में संबंधित लोगों ने अपनी आंखों और कानों की जांच करवाई और परामर्श प्राप्त किया। इस शिविर का आयोजन हिराली फाउंडेशन की अध्यक्षा एडवोकेट सरिता खानचंदानी, एडवोकेट पुरुषोत्तम खानचंदानी और ऑडियोलॉजिस्ट डिम्पल कुकरेजा, सतीश कुकरेजा, डॉ.राज इसरानी के सहयोग से संपन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम में परिमंडल 4 के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे, विठ्ठलवाडी पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल पडवळ, हिल लाइन पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल जगताप, उल्हासनगर ट्रैफिक पुलिस के निरीक्षक मनीष राजे, एस.आई.ई.एस.कॉलेज के पर्यावरण विभाग प्रमुख, कॉलेज के विद्यार्थियों व अन्य लोगों ने विशेष रूप से उपस्थित दर्ज की। इस शिविर के माध्यम से 183 लोगों की आंखों की जांच करके 55 लोगों को मुफ्त चश्मा प्रदान किया गया। कुल 201 पुलिस प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारियों, ऑटो रिक्शा चालकों व स्थानिकों ने लाभ लिया।उक्त जानकारी उल्हासनगर के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता शशिकांत दायमा द्वारा प्रदान की गई।

# करंट से दो सगे भाइयों की मौत

## मूंगफली बीनने गए थे, हरियाणा से 10 दिन पहले लौटा था एक भाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, कांट थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा सामने आया। बमरौली गांव में खेत पर मूंगफली बीनने गए दो सगे भाइयों की करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। धर्मवीर (35) सुबह खेत पर मूंगफली बीनने गए थे। वहां आम के पेड़ में आ रहे करंट की चपेट में आ गए। उन्हें बचाने पहुंचे भाई सत्यवीर भी करंट की चपेट में आ गए। ग्रामीणों की मदद से दोनों को अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। धर्मवीर खेतीबाड़ी कर अपनी पत्नी रामसुखी, बेटे हिमांशु और बेटी नंदनी का भरण-पोषण करते थे। सत्यवीर हरियाणा के मानेसर में प्राइवेट नौकरी करता था। वह 10 दिन पहले ही गांव आया था। चार दिन बाद उसे वापस हरियाणा जाना था। खेत में लगे तारों में आ रहा था करंट परिवार का तीसरा भाई करनवीर भी हरियाणा में काम करता है। कांट थाना प्रभारी ब्रजेश सिंह ने बताया कि खेत पर लगे तारों में करंट आ रहा था। इसी की चपेट में आने से दोनों भाइयों की मौत हुई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

# मुस्लिम जमात सेवा फाउंडेशन उल्हासनगर द्वारा कब्रिस्तान भूमि की मंजूरी के लिए चरणबद्ध आमरण अनशन प्रारंभ

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. उल्हासनगर के अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज के लोगों की मौलिक और मूलभूत आवश्यकता कब्रिस्तान भूमि को प्राप्त करने के लिए वर्षों से संघर्ष करना पड़ रहा है। उल्हासनगर मुस्लिम जमात सेवा फाउंडेशन द्वारा प्रस्तुत यह आंदोलन सामाजिक न्याय, संवैधानिक अधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता की दिशा में एक दृढ़ कदम है।

भूखंड क्रमांक 244, कैलाश कॉलोनी, उल्हासनगर क्रमांक 5 में वर्ष 1974 से मुस्लिम कब्रिस्तान भूमी के लिए आरक्षित किया गया था और वर्ष 2019 में इसे औपचारिक रूप से कब्रिस्तान भूमि घोषित भी कर दिया गया था। इतने वर्षों के बाद भी आज तक वहां कब्रिस्तान की मंजूरी नहीं दी गई है, जो प्रशासन की उदासीनता और भेदभावपूर्ण रवैया और अन्याय का जीता जागता उदाहरण है। उल्हासनगर मुस्लिम जमात सेवा फाउंडेशन के पदाधिकारियों द्वारा कब्रिस्तान भूमि प्राप्त करने के लिए उल्हासनगर मनपा में 05 जून पर्यावरण दिवस के अवसर पर शासन और प्रशासन से मांग करते हुये चरणबद्ध तौर पर आमरण अनशन प्रारंभ किया गया। अनशनकारियों की मांग है कि कब्रिस्तान भूमी को तत्काल मंजूरी दी जाए। अल्प संख्यक मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए भूखंड क्रमांक 244 को कानूनी अड़चनों को दूर करते हुए मुस्लिम समाज को प्रदान की जाए। उक्त मांगो को लेकर श्रृंखलाबद्ध तौर पर आमरण अनशन प्रारंभ किया गया।

अनशन कर्ता अनिल कुमार सिन्हा, मुस्लिम जमात सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष जलील खान और कार्याध्यक्ष शकील खान द्वारा अपील की गई है कि यह अनशन केवल एक भूखंड के लिए नहीं, बल्कि समान अधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता की पुकार है, जिसे भारत का संविधान भी मान्यता देता है।उल्हासनगर के प्रत्येक धर्मनिरपेक्ष नागरिक और सामाजिक संस्था से यह अपेक्षा की जाती है कि मुस्लिम समाज की उक्त मांग में सहयोग प्रदान कर एक बेहतर उदाहरण प्रस्तुत करे।

# अनुसूचित जाति के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो बनाकर किया पोस्ट

## शाहजहांपुर की युवती गिरफ्तार, कार्रवाई का डर नहीं, मुस्कुराती रही लड़की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, सोशल मीडिया पर जातिगत टिप्पणियों वाला वीडियो वायरल करने के मामले में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सदर बाजार सुभाषनगर की रहने वाली 24 वर्षीय संध्या देवी उर्फ स्वीटी गुप्ता के रूप में हुई है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी महिला के फोटो जारी किए। हैरान करने वाली बात ये है कि आरोपी महिला के चेहरे पर कार्रवाई का खौफ नही बल्कि मुस्कुराहट दिख रही है। संध्या सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय है। उसके फेसबुक पेज पर आठ हजार फॉलोअर्स हैं। वह इंस्टाग्राम पर भी रील्स बनाती है। विद्युत विभाग में कार्यरत उसके पति सुनील गुप्ता का तीन-चार साल पहले निधन हो चुका है। तब से वह अकेले रहती है।


## भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण (भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

# अमेरिका ने गाजा में सीजफायर प्रस्ताव पर वीटो लगाया

## कहा- इजराइल को अपनी रक्षा करने का हक; 14 देशों ने जंग रोकने के लिए वोट किया

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के गाजा में युद्धविराम कायम करने वाले प्रस्ताव पर वीटो लगा दिया है। यूएनएससी में बुधवार को इसके लिए वोटिंग हुई जिसमें 15 में से 14 देशों ने गाजा में युद्ध विराम के पक्ष में वोटिंग की। प्रस्ताव में सभी बंधकों की रिहाई और मानवीय सहायता प्रतिबंधों को हटाने की भी मांग की गई थी। अमेरिका इस प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करने वाला एकमात्र देश था। अमेरिका ने इसे रोकने के लिए अपने वीटो पावर का इस्तेमाल किया। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत डोरोथी शिया ने कहा कि यह प्रस्ताव सीजफायर के 'कूटनीतिक प्रयासों' को कमजोर करेगा। इस प्रस्ताव को यूएनएससी के 10 देश अल्जीरिया, डेनमार्क, ग्रीस, गयाना, पाकिस्तान, पनामा, कोरिया गणराज्य, सिएरा लियोन,

स्लोवेनिया और सोमालिया ने मिलकर प्रस्तुत किया था, जिसपर ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन ने भी सहमति जताई थी। शिया ने कहा कि हमें याद रखना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र ने हमास को 'आतंकवादी' संगठन नहीं माना है। हम किसी ऐसे कदम का समर्थन नहीं करेंगे जो हमास की निंदा नहीं करता और जो हमास से हथियार छोड़ने और गाजा छोड़ने की मांग नहीं करता है। वीटो पावर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों (अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस) को दी गई स्पेशल पावर है। इसके तहत, ये देश सुरक्षा परिषद के किसी भी प्रस्ताव को, चाहे वह कितना भी अहम क्यों न हो, अस्वीकार (वीटो) कर सकते हैं। इसका मतलब है कि अगर इनमें से कोई एक देश भी किसी प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करता है, तो वह प्रस्ताव पारित नहीं हो सकता, भले ही बाकी सभी 14 सदस्य (10 अस्थायी और 4 स्थायी) इसके पक्ष में हों। गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, 4 जून को अलग-अलग इजराइली हमलों में कम से कम 95 फिलिस्तीनी मारे गए और 440 से अधिक घायल हुए थे। अल जजीरा के मुताबिक गाजा में इजराइली हमले बढ़े है।

मध्य गाजा और पूरे क्षेत्र में इजरायली हमले लगातार जारी हैं। इस बीच, इजराइली सेना ने लोगों को जीएचएफ के केंद्रों पर जाने से मना किया है। सेना ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि इन क्षेत्रों को युद्ध क्षेत्र माना जाएगा और यहां पूरे दिन के लिए सहायता रोक दी गई है। दक्षिणी गाजा में 1 जून को खाना बांटने के दौरान गोलीबारी हुई, जिसमें 32 फिलिस्तीनी लोगों की मौत हो गई थी। गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस ने कहा था कि दक्षिणी गाजा के राफा शहर में एक सहायता वितरण केंद्र के पास इजराइली सेना ने गोलीबारी की थी। इसमें 32 लोगों की मौत हो गई वहीं, 232 लोग घायल हुए थे। अल-जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक 27 मई को 100 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए और 300 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

# अमेरिका में 12 देशों के नागरिकों की एंट्री बैन

## ट्रम्प बोले- खतरनाक लोगों से देश को बचा रहे, 7 और देशों पर आंशिक रोक लगाई

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 12 देशों के लोगों के अमेरिका आने पर पूरी तरह से रोक लगाने का आदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि यह कदम अमेरिका की सुरक्षा और लोगों की जान की हिफाजत के लिए जरूरी है। यह बैन 9 जून से लागू हो रहा है। इनके अलावा 7 देशों के नागरिकों पर आंशिक रोक भी लगाई है। ये इमिग्रेशन और नॉन-इमिग्रेशन दोनों तरह के वीजा पर लागू होगी। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक पूर्ण बैन का मतलब है कि उस देश के अधिकतर नागरिकों का

अमेरिका में प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित होता है। इनमें टूरिस्ट वीजा, स्टूडेंट वीजा, वर्क वीजा और इमिग्रेंट वीजा चाहने वाले लोग शामिल होते हैं। वहीं आंशिक बैन का मतलब है कि उस देश के नागरिकों पर कुछ खास प्रकार के वीजा या एंट्री पर रोक लगाई जाती है, बाकी पर नहीं। यानी इमिग्रेंट वीजा नहीं मिलेगा, लेकिन टूरिस्ट वीजा मिल सकता है। स्टूडेंट्स को परमिशन मिलेगी, लेकिन वर्क वीजा पर रोक रहेगी। ट्रम्प ने दूसरे देशों के नागरिकों को वीजा जारी करते वक्त सावधानी बरतने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि वीजा जारी करते वक्त ध्यान रखना चाहिए कि ऐसे लोग अमेरिका न आ सकें, जो अमेरिकियों या देश के हितों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान 2017 में एक ट्रैवल बैन लगाया था, जिसे अक्सर मुस्लिम बैन कहा जाता है। इसमें ज्यादातर मुस्लिम बहुल देशों को शामिल किया गया था। जनवरी 2017 में जारी किए आदेश के मुताबिक शुरूआती प्रतिबंध में जिन 7 देशों पर पूरी तरह से अमेरिका आने पर रोक लगाई गई थी। उनमें ईरान, इराक, लीबिया, सोमालिया, सूडान, सीरिया और यमन शामिल थे। बाद में इसमें बदलाव किए गए। पहले इराक को इस लिस्ट से बाहर कर दिया गया। बाद में सूडान को हटाकर उसकी जगह चाड को जोड़ा गया। फिर नॉर्थ कोरिया और वेनेजुएला जैसे गैर-मुस्लिम देशों को भी शामिल किया गया, ताकि इसे धार्मिक भेदभाव वाला न कहा जा सके।

# बिलावल ने कहा- मोदी इजराइली पीएम का सस्ता वर्जन

## भारत बोला- हताशा आतंकी सरगनाओं पर निकालें, पाकिस्तान में आतंकवाद नेशनल पॉलिसी

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने को पीएम मोदी को इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू का सस्ता वर्जन बताया है। भारत ने बिलावल के बयान की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान नए निचले स्तर पर पहुंच चुका है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भुट्टो को अपनी हताशा का गुस्सा पाकिस्तान में आतंकवाद के सरगनाओं पर निकालना चाहिए, जो आतंकवाद को देश की नीति का हिस्सा बनाए हुए हैं। वहीं, शशि थरूर के नेतृत्व वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि एक युवा पाकिस्तानी नेता अमेरिका में उन लोगों का बचाव कर रहा है जो उसकी मां की हत्या के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। भुट्टो ने कहा कि पाकिस्तान अपनी महान सभ्यता विरासत पर गर्व करता है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता ने टिप्पणी की, ₹हम सिंधु घाटी सभ्यता के उत्तराधिकारी हैं। मोहनजोदड़ो मेरे निर्वाचन क्षेत्र से बस कुछ ही दूरी पर है।₹ यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने मोदी पर निशाना साधा हो। 2022 में संयुक्त राष्ट्र में बोलते हुए तत्कालीन पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा था कि ह्यवह आरएसएस, बीजेपी या पीएम मोदी से नहीं डरते।ह्न

इससे पहले संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 3 जून की देर रात बिलावल ने आरोप लगाया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले को भारत सरकार राजनीतिक मकसद से इस्तेमाल कर रही है ताकि भारत के मुसलमानों को बदनाम किया जा सके।

पाकिस्तानी नेता बिलावल भुट्टो जरदारी के इस झूठ को एक पत्रकार ने मौके पर ही पकड़ लिया था। पत्रकार ने कहा कि, आप कह रहे हैं कि हालिया आतंकी हमले का इस्तेमाल भारत में मुस्लिमों को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है, लेकिन मैंने खुद भारतीय सेना की ब्रीफिंग देखी हैं, और उसमें मुस्लिम अधिकारी ही शामिल थे। दरअसल, भारत की तरफ से दो महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी प्रेस ब्रीफिंग कर रही थीं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि भारत ने कश्मीर के पहलगाम में हुई एक घटना के लिए बिना किसी जांच या सबूत के पाकिस्तान को दोषी ठहराया, जबकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस घटना की जांच में मदद की पेशकश की थी। बिलावल भुट्टो ने आरोप लगाया कि भारत ने सीमा पार कर के निर्दोष लोगों को निशाना बनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान हर तरह के आतंकवाद की निंदा करता है और इस लड़ाई में उसने बहुत भारी कीमत चुकाई है। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव पर चिंता जताई और कहा कि दोनों देश परमाणु शक्ति संपन्न हैं, इसलिए हालात काफी गंभीर हो सकते थे। पाकिस्तान ने भी भारत की तरह विदेशों में अपनी बात रखने के लिए डेलिगेशन भेजा है। इस प्रतिनिधिमंडल में कुल 9 सदस्य शामिल हैं।

# पाकिस्तान में अहमदिया मुस्लिमों के ईद मनाने पर पाबंदी

## 5 लाख रुपए जुमार्ने की धमकी; जबरदस्ती हलफनामा भरवाया जा रहा

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के सिंध और पंजाब प्रांत में अहमदिया मुस्लिमों को ईद मनाने से रोकने के लिए जबरदस्ती हलफनामें भरवाए जा रहे हैं। पंजाब में तो अहमदियों को चेतावनी दी गई है कि अगर उन्होंने ईद मनाई तो 5 लाख रुपए जुमार्ना देना होगा। पंजाब और सिंध के कई इलाकों में को अहमदिया समुदाय पर घर के अंदर धार्मिक रीति-रिवाजों और कुबार्नी न करने का भी दबाव बनाया जा रहा है। इस साल 7 जून को ईद मनाई जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई जगहों

पर पुलिस अहमदिया लोगों को हिरासत में ले रही है और उन्हें धमकी देकर या परेशान करके हलफनामे पर साइन कराए जा रहे हैं। पाकिस्तान में हमेशा से अहमदिया समुदाय सरकार और कट्टरपंथियों के निशाने पर रहा है। एम्नेस्टी इंटरनेशनल की जून 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब में कम से कम 36 अहमदिया लोगों को मनमाने ढंग से गिरफ्तार किया गया था, ताकि उन्हें ईद की कुबार्नी करने से रोका जा सके। पाकिस्तान में करीब 20 लाख की आबादी वाला अहमदिया समुदाय उत्पीड़न का शिकार रहा है। 1974 के संवैधानिक संशोधन के तहत उन्हें मुस्लिम नहीं माना जाता। उन्हें कुरान पढ़ने, नमाज अदा करने या खुले तौर पर धार्मिक रीति-रिवाज करने की अनुमति नहीं है। इसके अलावा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीएलपी) और तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) जैसे संगठन उन पर हमला करते हैं। लाहौर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने पंजाब के आईजी को पत्र लिखकर अहमदिया समुदाय पर इस्लामी रीति-रिवाजों के पालन करने आरोप लगाया और इसे कानून का उल्लंघन बताया। बार एसोसिएशन अध्यक्ष मलिक आसिफ ने कहा कि सिर्फ मुसलमानों को ही कुबार्नी करने का अधिकार है। अहमदिया समुदाय का इन रीति-रिवाजों में हिस्सा लेते हैं तो इससे मुस्लिम बहुसंख्यकों की भावनाओं को ठेस पहुंचेगी। इससे हिंसा का खतरा बढ़ जाएगा। साल 1889 में पंजाब के लुधियाना जिले के कादियान गांव में मिर्जा गुलाम अहमद ने अहमदिया समुदाय की शुरूआत की थी।

# 85% आरक्षण की जिद पर अड़े तेजस्वी यादव, सीएम नीतीश को लिखा पत्र

एजेंसी

राजद नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की, जहां समाज के कमजोर वर्गों के लिए कोटा बढ़ाकर 85 प्रतिशत करने के लिए नए कानून लाए जा सकें। विपक्ष के नेता यादव ने सोशल मीडिया पर एक पत्र साझा किया, जिसमें उन्होंने राज्य सरकार पर इस मुद्दे पर जानबूझकर टालमटोल करने का आरोप लगाया। तेजस्वी ने एक्स पर लिखा कि महागठबंधन सरकार में बढ़ाई गई 65% आरक्षण सीमा को अपनी ही सरकार में संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल कराने में घोर विफल रहे मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी को पत्र लिखा है। तेजस्वी यादव ने आगे लिखा कि बाकी हमने जो करना है वो हम करेंगे। दलित-आदिवासी, पिछड़ा-अतिपिछड़ा वर्गों का वोट लेकर फरर-बीजेपी की पालकी ढो रहे अवसरवादी सुविधाभोगी नेताओं को भी बिहार की न्यायप्रिय जनता के साथ अच्छे से समझेंगे। उन्होंने याद दिलाया कि 2023 में पारित पिछले कानून को पटना उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था, जिसने यह विचार व्यक्त किया था कि

**तेजस्वी यादव ने आगे लिखा कि बाकी हमने जो करना है वो हम करेंगे। दलित-आदिवासी, पिछड़ा-अतिपिछड़ा वर्गों का वोट लेकर फरर-बीजेपी की पालकी ढो रहे अवसरवादी सुविधाभोगी नेताओं को भी बिहार की न्यायप्रिय जनता के साथ अच्छे से समझेंगे।**

कोटा में वृद्धि किसी वैज्ञानिक अध्ययन का पालन नहीं करती है जो इस तरह की आवश्यकता को उजागर कर सके। कोटा में वृद्धि जातियों के एक महत्वाकांक्षी सर्वेक्षण के आधार पर की गई थी, जिसमें 1931 की जनगणना की तुलना में दलितों और पिछड़े वर्गों की जनसंख्या प्रतिशत में वृद्धि दिखाई गई थी, जब विभिन्न सामाजिक समूहों की गणना अंतिम बार हुई थी। यादव ने तमिलनाडु का उदाहरण दिया, जहां ₹69 प्रतिशत कोटा लागू है, और कहा कि बिहार भी अपने आरक्षण कानूनों को नौवीं अनुसूची में डालकर न्यायिक हस्तक्षेप से बचा सकता है। राजद नेता ने नए कानूनों का मसौदा तैयार करने के लिए ₹सर्वदलीय समिति₹ बनाने और उसके बाद इन्हें पारित करने के लिए ₹विशेष सत्र₹ बुलाने का आह्वान किया। उन्होंने भाजपा पर भी आरोप लगाया कि वह राज्य में सत्ता में है और केंद्र में शासन करती है, और आरक्षण का विरोध करती है।

# जम्मू-कश्मीर में एनआईए का बड़ा एक्शन, 32 स्थानों पर की छापेमारी

## आतंकवादी सोशल मीडिया या ऑनलाइन ऐप का इस्तेमाल आतंक को बढ़ावा देने और उसे बढ़ावा देने के लिए कर रहे :एनआईए

**एनआईए ने एक बयान में कहा कि जिन कार्यकताओं और परिसरों की तलाशी ली गई, वे आतंकवादी गतिविधियों में सहयोग करने, जैसे आतंकवादियों की मदद करना, चिपचिपे बम/चुंबकीय बम, आईईडी, धन, मादक पदार्थ और हथियार एवं गोला-बारूद का संग्रह और वितरण करने में संलिप्तता के कारण एनआईए की जांच के दायरे में हैं।**

एजेंसी

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार (5 जून) को जम्मू-कश्मीर को अस्थिर करने के लिए पाकिस्तान समर्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों और उनके सहयोगियों द्वारा आतंकी साजिश के खिलाफ अपनी जारी जांच के तहत कश्मीर भर में 32 स्थानों पर तलाशी ली। एनआईए के अनुसार, ये स्थान हाइब्रिड आतंकवादियों और पाकिस्तान स्थित इन संगठनों से जुड़े ओवरग्राउंड वर्करों के आवासीय परिसर थे, जैसे द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट जम्मू और कश्मीर (यूएलएफजे-के), मुजाहिदीन

गजवत-उल-हिंद (एमजीएच), जम्मू और कश्मीर फ्रीडम फाइटर्स (जेकेएफएफ), कश्मीर टाइगर्स, पीएएफ और अन्य, जो लस्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), अल-बद्र जैसे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से जुड़े हैं। एनआईए ने एक बयान में कहा कि जिन कार्यकताओं और परिसरों की तलाशी ली गई, वे आतंकवादी गतिविधियों में सहयोग करने, जैसे आतंकवादियों की मदद करना, चिपचिपे बम/चुंबकीय बम, आईईडी, धन, मादक पदार्थ और हथियार एवं गोला-बारूद का संग्रह और वितरण करने में संलिप्तता के कारण एनआईए की जांच के दायरे में हैं। एनआईए की जांच के अनुसार, पाकिस्तान में अपने नेताओं द्वारा समर्थित उपर्युक्त संगठन स्थानीय युवाओं को कट्टरपंथी बनाकर और जमीनी कार्यकताओं को संगठित करके, जम्मू-कश्मीर में शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने के लिए आतंक और हिंसा की वारदातों को अंजाम देने की साजिश रच रहे हैं।

**मध्य रेलवे**

**खुली निविदा सूचना क्रमांकः पुणे_इलेक्ट._जी_2025_16 दिनांक 04/06/2025**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत), मध्य रेल, पुणे द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ऑनलाइन खुली 'ई'-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **1. कार्य का नाम और स्थान** : अमृत भारत योजना के अंतर्गत पुणे मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर 15 एस्केलेटर्स का प्रावधान. **2. कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 7,23,14,407.20/- (रुपए सात करोड़ तेईस लाख चौदह हजार चार सौ सात और बीस पैसे मात्र). **3. बोली सुरक्षा रु.** : रु. 5,11,600/- (रुपये पाँच लाख ग्यारह हजार छह सौ मात्र). **4. निविदा बंद होने की तिथि व समय** : 26.06.2025, दोपहर 12:00 बजे. **5. वेबसाइट व नोटिस बोर्ड का स्थान जहां संपूर्ण जानकारी उपलब्ध है** : निविदा सूचना, पात्रता मानदंड, संपूर्ण निविदा दस्तावेज एवं यदि कोई संशोधन हो तो वह वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध रहेगा. **6. निविदा प्रणाली** : 'ई' निविदा दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही उपरोक्त सीआरआईएस वेबसाइट पर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए जमा किए जाएंगे.

वरि. डीईई (जनरल), पुणे

SUN 56 खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

# विदेश मंत्री जयशंकर से मिला संजय झा के नेतृत्व वाला डेलिगेशन

## पांच देशों की यात्रा के बारे में दिया फीडबैक

एजेंसी

जेडी(यू) सांसद संजय झा के नेतृत्व में जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया और मलेशिया का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। संजय झा ने इस मुलाकात के बाद कहा कि हमने विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की और उन्हें अपनी पांच देशों की यात्रा के बारे में फीडबैक दिया। हमने पांच देशों की अपनी यात्रा के दौरान के अपने अनुभव उनके साथ साझा किए। पांच देशों की अपनी यात्रा के दौरान हमने तथ्यों के साथ पूरी स्थिति बताई और उन्हें बताया कि भारत में चार दशकों से सीमा पार आतंकवाद हो रहा है। संजय झा ने कहा कि हमने जिन देशों का दौरा किया, वहां

सबसे बड़ी सराहना यह थी कि प्रधानमंत्री मोदी ने सभी दलों के प्रतिनिधिमंडल भेजे। उन्होंने सराहना की कि पूरे देश ने एक स्वर में बात की, सिवाय उनके (कांग्रेस के)... उन्हें (कांग्रेस को) ईमानदारी से आकलन करना चाहिए कि वे जो भाषा इस्तेमाल कर रहे हैं, वह राष्ट्र के सर्वोत्तम हित में है या उसके खिलाफ है। पूर्व राजनयिकों के अलावा विभिन्न राजनीतिक दलों के लगभग 50 सदस्य पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद, पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य संघर्ष को लेकर भारत के रुख से अवगत कराने के लिए 33 देशों की राजधानियों और यूरोपीय संघ (ईयू) की अपनी यात्राओं के अंतिम चरण में हैं। भारत ने आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की अपनी नीति से विभिन्न देशों को अवगत कराया है और यह स्पष्ट किया है कि अगर उसकी धरती पर आतंकवादी हमले होते हैं तो वह आतंकवादियों और उन्हें प्रायोजित करने वालों को दंडित करना जारी रखेगा।

**पश्चिम रेलवे की ओर से छह जोड़ी विशेष गाड़ियों के फेरों का विस्तार**

| गाड़ी क्र. | से | तक | संचालन के दिवस | तक विस्तारित |
|---|---|---|---|---|
| 09207 | बांद्रा टर्मिनस | भावनगर | शुक्रवार | 15.08.2025 |
| 09208 | भावनगर | बांद्रा टर्मिनस | गुरुवार | 14.08.2025 |
| 09415 | बांद्रा टर्मिनस | गांधीधाम | गुरुवार | 14.08.2025 |
| 09416 | गांधीधाम | बांद्रा टर्मिनस | गुरुवार | 14.08.2025 |
| 09055 | बांद्रा टर्मिनस | उधना | सप्ताह में 5 दिन | 30.09.2025 |
| 09056 | उधना | बांद्रा टर्मिनस | सप्ताह में 5 दिन | 30.09.2025 |
| 09530 | भावनगर | धोला | प्रतिदिन (अनारक्षित) | 30.09.2025 |
| 09529 | धोला | भावनगर | प्रतिदिन (अनारक्षित) | 30.09.2025 |
| 09211 | गांधीग्राम | बोटाड | प्रतिदिन (अनारक्षित) | 30.09.2025 |
| 09212 | बोटाड | गांधीग्राम | प्रतिदिन (अनारक्षित) | 30.09.2025 |
| 09215 | गांधीग्राम | भावनगर | प्रतिदिन (अनारक्षित) | 30.09.2025 |
| 09216 | भावनगर | गांधीग्राम | प्रतिदिन (अनारक्षित) | 30.09.2025 |

ठहराव, संयोजन और समय-सारिणी के बारे में विस्तृत जानकारी के लिये यात्रीगण कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in का अवलोकन करें.

सभी पीआरएस काउंटर्स पर और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर गाड़ी सं. 09207, 09208, 09415, 09416, 09055 और 09056 के लिए बुकिंग 06.06.2025 से शुरू होगी. उपरोक्त गाड़ियों को विशेष किराए पर विशेष गाड़ियों के तौर पर संचालित किया जाएगा.

पश्चिम रेलवे

wr.indianrailways.gov.in

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly

हमें फॉलो करें : X.com/WesternRly

हमें फॉलो करें : Instagram/WesternRly

PLEASE CARRY ORIGINAL ID PROOF FOR ALL RESERVED TICKETS

## संक्षेप

### जनता की समस्याओं के लिए कांग्रेस मुखर

**बिजली कटौती, मरीजों की सुविधा और उजाड़े गए आवास के मुद्दे उठाए**

सुलतानपुर, कांग्रेस कार्यकताओं ने जिले की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रशासन को ज्ञापन दिया है। कांग्रेस ने बिजली कटौती को लेकर चिंता जताई है। भीषण गर्मी में बिना निश्चित समय की कटौती से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। स्वशासी राजकीय मेडिकल कॉलेज में मरीजों की सुविधाओं को बेहतर करने की मांग की गई है। कांग्रेस ने 24 घंटे जांच सुविधाएं और दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया है। साथ ही सरकारी डॉक्टरों की प्राइवेट प्रैक्टिस पर रोक लगाने की मांग की है। धमकी में कार्रवाई की मांग 60 साल से अधिक आयु के बुजुर्गों को आयुष्मान योजना में शामिल करने की मांग भी ज्ञापन में की गई है। एक पत्रकार को मिली धमकी के मामले में सुरक्षा और कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। पयागीपुर के ट्रांसपोर्ट नगर के पीछे 25 वर्षों से रह रहे गरीब परिवारों के घरों को बुलडोजर से ध्वस्त किए जाने का विरोध किया गया है। कांग्रेस ने उजड़े परिवारों को उचित स्थान पर पुनर्वास की मांग की है। इन लोगों की रही मौजूदगी ज्ञापन देने में प्रदेश महासचिव राम कुमार यादव, सलाउद्दीन हाशमी, इकराम भाई, प्रदेश सचिव रणजीत सिंह सलूजा समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

### विश्व पर्यावरण दिवस पर लोहंगी में पौधरोपण

**जन सहयोग फाउंडेशन ने 21 फलदार पौधे लगाए, ग्रामीणों ने ली सुरक्षा की जिम्मेदारी**

सुलतानपुर, विकासखंड धनपतगंज स्थित लोहंगी ग्राम सभा में विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जन सहयोग फाउंडेशन की ओर से 21 फलदार वृक्षों का रोपण किया गया। फाउंडेशन के संस्थापक प्रेम प्रकाश मौर्य ने कार्यक्रम का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि पौधरोपण का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और ग्रामवासियों को हरित जीवन के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रत्येक पौधा हमारे भविष्य की सांस है। कार्यक्रम में संस्था की संरक्षक शिखा सिंह मौजूद रहीं। बृजभूषण पांडे, राहुल गुप्ता, अरविंद कसौधन, कुंदन उपाध्याय, विपिन जायसवाल, जय चंद मौर्य, वीरेंद्र मौर्य और धीरेंद्र सहित कई गणमान्य लोगों ने भी हिस्सा लिया। एडवोकेट राम प्रकाश मौर्य ने वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डाला।

### गंगा दशहरा पर लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

**लखनऊ-वाराणसी मार्ग पर समाजसेवियों ने लगाए शरबत और प्रसाद के स्टॉल**

सुलतानपुर, गंगा दशहरा के पावन अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं ने पौराणिक तीर्थ स्थलों पर आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पुण्य लाभ अर्जित किया। समाजसेवियों ने जगह-जगह भंडारे का आयोजन कर प्रसाद वितरण किया। लखनऊ-वाराणसी राजमार्ग पर समाजसेवी अंकित मिश्रा और उनकी टीम ने श्रद्धालुओं की सेवा की।

# डीएलएड अभ्यर्थियों ने मुर्गा बनकर निकाला जुलूस

## प्रयागराज में बोले- हमसे गलती हो गई जो यह कोर्स किया, दर-दर भटक रहे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, डीएलएड अभ्यर्थियों ने अनोखा प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने पहले अपने कान पकड़े, फिर मुर्गा बन गए। इसके बाद उन्होंने इसी तरह जुलूस निकाला। सीएम योगी से माफी मांगते हुए कहा- हमसे गलती हो गई, जो मास्टर बनने के लिए डीएलएड प्रशिक्षण किया। अगर डीएलएड नहीं किया होता तो दर-दर की ठोकरें नहीं खानी पड़ती। कहा- योगी जी हम कहना चाहते हैं या तो आप डीएलएड बोर्ड का संचालन बंद कर दें, या फिर नई प्राथमिक शिक्षक भर्ती का विज्ञापन जारी करें। अभ्यर्थियों ने यूपी सरकार और आयोग का अनुपात- समानुपात का भूत उतारने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार को छह जून तक का समय दिया है। कहा- अगर सरकार ने मांगे नहीं मानी तो छात्र महाधरना करेंगे। दरअसल प्राथमिक स्कूलों में शिक्षक भर्ती की मांग को लेकर डीएलएड प्रशिक्षित अभ्यर्थी उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के बाहर 28 मई से धरने पर बैठे हैं। इस आंदोलन में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण, डीएलएड/बीटीसी प्रशिक्षित अभ्यर्थी शामिल हैं। अभ्यर्थियों ने अनुपात-समानुपात का भूत उतारने को हनुमान चालीसा पढ़ी बुधवार को अभ्यर्थियों ने मुर्गा बनकर आयोग के कार्यालय के चारों ओर घूमकर जुलूस निकाला। सरकार से नई प्राथमिक शिक्षक भर्ती का विज्ञापन जारी करने की गुहार लगाई। आयोग की अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय ने धरने पर बैठे कुछ अभ्यर्थियों से बात की, लेकिन अभ्यर्थी धरने से हटने को तैयार नहीं हुए। देर रात को अभ्यर्थियों ने यूपी सरकार और आयोग का अनुपात- समानुपात का भूत उतारने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया। भजन कीर्तन किया। कहा- आज नहीं तो कल अंधेरे से प्रकाश की किरण निकलेगी।

डीएलएड प्रशिक्षुओं के प्रदेश अध्यक्ष रजत सिंह ने बताया कि प्रदेश के परिषद विद्यालयों में 1,81,276 पद रिक्त हैं। यह आंकड़ा प्रोजेक्ट एप्रूवल बोर्ड (ढअइ) की रिपोर्ट में भी दर्ज है। आंदोलन को राजनीतिक समर्थन भी मिल रहा है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मुद्दे को उठाया। सांसद पुष्पेन्द्र सरोज ने लोकसभा में ढअइ रिपोर्ट का हवाला देते हुए नई भर्ती की मांग की। रजत सिंह ने कहा कि आयोग को दी गई समय सीमा 6 जून को खत्म हो रही है। अगर तब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो छात्र महाधरना करेंगे। सपा सांसद ने प्रदर्शन को समर्थन दिया, बोले- संसद में लड़ेंगे लड़ाई वहीं डीएलएड अभ्यर्थियों की शिक्षक भर्ती की मांग का समर्थन कर कौशांबी से सपा सांसद पुष्पेंद्र सरोज ने कहा कि युवाओं की लड़ाई अब संसद में लड़ी जाएगी।

# कर्नल सोफिया कुरैशी के नाम पर वृक्षारोपण

## प्रयागराज में कांग्रेस कार्यकताओं ने पर्यावरण दिवस पर लगाए पौधे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, रोशन बाग स्थित मंसूर अली पार्क में विश्व पर्यावरण दिवस पर एक अनूठी पहल की गई। कांग्रेस कार्यकताओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की नायिका कर्नल सोफिया कुरैशी के सम्मान में वृक्षारोपण किया। कांग्रेस नेता इरशाद उल्ला ने कर्नल कुरैशी की साहसिक कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि कर्नल कुरैशी ने पाकिस्तान में की गई कार्रवाई से देश का गौरव बढ़ाया है। उनका साहस आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। सहयोग महिला बाल विकास समिति की अध्यक्ष राना परवीन ने कहा कि कर्नल कुरैशी हर भारतीय महिला के लिए गर्व हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ बराबरी से काम कर रही हैं। कार्यक्रम में नफीस कुरेशी, मोहम्मद शारिक, मोहम्मद अल्तमश, मोहम्मद तबरेज और मोहम्मद कोनेन समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे। इस आयोजन से पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया गया।

# दलित युवक की हत्या

**छत पर सोया था, पड़ोसी की पशुशाला में मिला शव; परिजनों ने अंतिम संस्कार से किया इनकार**

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी तहसील, जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र में एक दलित युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या का मामला सामने आया है। पूरे रामा चौहान गांव में 22 वर्षीय सागर कोरी की हत्या से तनाव का माहौल है। मृतक की बहन आरती ने पड़ोस में रहने वाली एक लड़की, उसके जीजा और दादी पर साजिश करके हत्या करने का आरोप लगाया है। सागर रात में खाना खाकर छत पर सोया था। सुबह उसका शव पड़ोसी रविंद्र सिंह की पशुशाला में मिला। शव की स्थिति अत्यंत संदिग्ध थी। मृतक के हाथ-पैर रस्सी से बंधे हुए थे। उसके मुंह में कपड़ा ठूंसा गया था। आरोपियों ने शव को पन्नी और कंबल से ढककर छिपाने का प्रयास किया था। मृतक के परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल नहीं भेजा जाता, तब तक अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा।

# कार्रवाई के बाद बढ़ी राजनीति

## आप सांसद ने भिजवाया राशन, सपा प्रवक्ता बोले– सरकार को गरीबों से वास्ता नहीं

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, प्रशासनिक कार्रवाई से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए विभिन्न राजनीतिक दल आगे आए हैं। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह की पहल पर पार्टी कार्यकताओं और आजाद समाज सेवा समिति ने गुरुवार को प्रभावित परिवारों को एक महीने का राशन वितरित किया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनूप संडा ने भी इन परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और प्रभावित लोगों से बातचीत की। इस तरह दोनों प्रमुख विपक्षी दलों ने प्रभावित परिवारों के प्रति एकजुटता दिखाई है। इतना समय भी नहीं दिया कि घरों से निकाल सके सामान अनूप संडा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि 29 सफाई कर्मियों की बस्ती थी जो झोपड़िया डालकर यहां रहकर काम कर रहे थे। प्रशासन ने किसी सर्किट हाउस बनाने के नाम पर बुलडोजर चलाकर के उनके घरों को ध्वस्त कर दिया। यहां तक बताया गया कि उनको इतना भी समय नहीं दिया गया कि वो अपने सामान को वह अपने घरों से निकाल सकते। उसी दिन बस्ती वालों ने जाकर के जिला प्रशासन को ज्ञापन भी दिया था कि हमको कोई पुनर्वास की व्यवस्था दी जाए। उच्च न्यायलय के भी आदेश हैं कि कहीं गरीबों को अगर उनके रिहाइशी उजाड़ा जा रहा है तो मानवीय आधार पर उचित पुनर्वास की व्यवस्था की जाए। लेकिन सुल्तानपुर का प्रशासन पूरी तरीके से निरंकुश है। उच्च न्यायालय के निदेशों की हुई है अवहेलना उन्होंने कहा उच्च न्यायालय के निदेशों और सलाह की अवहेलना करते हुए इन गरीबों का घर उजाड़ना इस बात का प्रतीक है कि शासन में गरीबों की बात सुनने वाला कोई नहीं है।

# हनुमान किला पर बृजभूषण शरण सिंह का हुआ जोरदार स्वागत, हनुमान जी का लिए आशीर्वाद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क /कृष्णा सिंह

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद एवं भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह का हनुमान गुफा बैरियर स्थित हनुमान किला में हुआ भव्य स्वागत।श्री सिंह ने श्री हनुमान जी दर्शन-पूजन कर लिया आशीर्वाद। इस अवसर पर महंत परशुराम दास हनुमान किला, अरुण सिंह लश्करी मंदिर, विजयराम दास,मिथिला बिहारी दास (M.B),राजमणि सिंह, प्रियेश दास पार्षद रामकोट, कृष्णा सिंह,सचिन सिंह, स्वामीनाथ सिंह, प्रखर सिंह,छात्रनेता कुंदन सिंह सहित तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

# टूटते रिश्तों को जोड़ने की पहल

## महिला थानाध्यक्ष ने की काउंसलिंग, 6 जोड़े फिर एक साथ रहने को तैयार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, महिला थानाध्यक्ष कंचन सिंह ने पारिवारिक विवादों को सुलझाने में सफलता हासिल की है। उनकी काउंसलिंग से 6 टूटते दंपति जोड़े फिर से साथ रहने को तैयार हो गए हैं।

एसपी अपर्णा रजत कौशिक के नेतृत्व में जिले की कानून व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ पारिवारिक रिश्तों को बचाने का काम भी किया जा रहा है। महिला थाने में आने वाले विवादित जोड़ों की अलग-अलग काउंसलिंग की जाती है। टूटते रिश्ते जुड़ रहे थानाध्यक्ष कंचन सिंह पति-पत्नी के बीच के मामूली विवादों को समझती हैं। वे दोनों पक्षों को उनके रिश्ते के महत्व और भविष्य के बारे में समझाती हैं। इस प्रयास से कई टूटते परिवार फिर से जुड़ रहे हैं। सभी छह जोड़ों ने अमेठी पुलिस के इस प्रयास की सराहना की है। पुलिस ने भी इन जोड़ों को उनके सुखद वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं दी हैं। यह पहल पुलिस की सामाजिक जिम्मेदारी का एक सकारात्मक उदाहरण है।

# बिजली कटौती से नाराज बीजेपी विधायक

## जेई को दी चेतावनी, बोलीं– दूध पीते लल्ला नहीं हो, पब्लिक कूट-कूट कर ढंग सिखा देगी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़ , बिजली कटौती और विद्युत विभाग के अधिकारियों की लापरवाही से नाराज बीजेपी विधायक मुक्ता राजा ने अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। विधायक ने अपने आवास पर अधिकारियों को बुलाकर उनकी क्लास ली। अधिकारियों को चेतावनी देते हुए विधायक ने कहा- दूध पीते लल्ला नहीं हो। जनता कूट-कूट कर ढंग सिखा देगी। अन्यथा जनता की समस्याओं का तुरंत समाधान करें। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें विधायक जूनियर इंजीनियर (जेई) को कड़ी फटकार लगाती हुई दिख रही हैं। दरअसल शहर में लंबे समय से 24 घंटे में मात्र 14-15 घंटे ही बिजली मिल रही है। इस कटौती से स्थानीय लोगों और व्यापारियों को खासा परेशानियां हो रही हैं। साथ ही काफी व्यापार में काफी नुकसान भी हो रहा है। बार-बार बिजली कटौती और विभागीय अधिकारियों के रवैये से नाराज जनता और व्यापारियों ने बीजेपी विधायक मुक्ता राजा से शिकायत की। लोगों का कहना था कि बिजली कटौती की वजह से उनकी रोजमर्रा की जिंदगी और व्यापार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। शिकायतों के बाद विधायक ने बिजली विभाग के अधिकारियों को अपने आवास पर बुलाया और उनकी कार्यशैली पर सवाल उठाए। वायरल वीडियो में विधायक मुक्ता राजा जूनियर इंजीनियर (जेई) को कड़े शब्दों में चेतावनी देती नजर आ रही हैं। नजरअंदाज करना अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा उन्होंने कहा- दूध पीते लल्ला नहीं हो, पब्लिक कूट-कूट कर ढंग सिखा देगी। विधायक ने अधिकारियों की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए कहा कि जनता की समस्याओं को नजरअंदाज करना, अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने एक्सईएन, एई और जेई को उनकी जिम्मेदारियों का अहसास कराया और तत्काल बिजली आपूर्ति सुधारने के निर्देश दिए। शिकायतों के बाद विधायक मुक्ता राजा ने न केवल अपने आवास पर अधिकारियों को बुलाकर फटकार लगाई, बल्कि विद्युत उपकेंद्र पर भी हंगामा हुआ।

# पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़

## दो इनामी बदमाश हुए घायल, तमंचा-कारतूस किए बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, थाना कोसी क्षेत्र में बुधवार की देर रात पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने घायल बदमाशों को गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

पकड़े गए बदमाशों पर मथुरा पुलिस ने 15-15 हजार रुपए का इनाम घोषित किया हुआ था। मथुरा पुलिस की मुठभेड़ में घायल हुए बदमाश शातिर जेबकट हैं। रिश्ते में जीजा साले लगने वाले यह बदमाशों पलवल के रहने वाले हैं। दोनों बदमाश बड़े शातिर अंदाज में जेबकटी की वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस ने दोनों बदमाशों पर 15-15 हजार रुपए का इनाम घोषित किया हुआ था। इन बदमाशों ने 25 मई को एक व्यापारी के साथ जेबकटी की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस की मुठभेड़ में घायल हुए बदमाश बंटी और सूरज उर्फ नैनु निवासी मुंडकटी पलवल ने 25 मई को छाता कस्बे के रहने वाले व्यापारी को अपना शिकार बनाया था। छाता का रहने वाला जिशान अपने पशुओं को बेचकर कोसी से छाता जा रहा था। इसी दौरान यह दोनों बाइक से आए

# पर्यावरण दिवस पर चेयरमैन की पहल

## 817 पेड़ों से बना वाल्मीकि उपवन, गोमती तट पर नया ऑक्सीजन बैंक बनेगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद ने पं. राम नरेश त्रिपाठी सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पालिका अध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल ने की। भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पालिकाध्यक्ष ने बताया कि पिछले साल 28 सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से 'स्वच्छ सुंदर हरित सुल्तानपुर' अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम में गोमती नदी के तट पर पर्यावरण पार्क के पास 817 पेड़ लगाकर वाल्मीकि उपवन का निर्माण किया गया। नगर के प्रमुख मार्गों के डिवाइडरों और दोनों पटरियों पर हजारों पेड़ लगाए गए।

# विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष पहल

## पलिया पश्चिम में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरूआत, जुलाई तक चलेगा कार्यक्रम

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, उत्तर प्रदेश में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' थीम पर आधारित वृक्षारोपण अभियान शुरू किया गया। यह कार्यक्रम जल जीवन मिशन के तहत सेंटर ऑफ टेक्नोलॉजी और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (सीटेड) द्वारा आयोजित किया गया। ग्राम पंचायत उतेलवा में कार्यक्रम प्रबंधक उदयनाथ मिश्रा ने कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना और समुदाय को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करना है। मिश्रा ने कहा कि धरती की सुंदरता पेड़ों से है। प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण आवश्यक है। उन्होंने बताया कि 5 जून से जुलाई के पहले सप्ताह तक प्रत्येक व्यक्ति एक पेड़ लगाने का संकल्प लेगा।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी ,एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग,कुर्ला (प)मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० – A–544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई ,ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक – अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय– 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक– डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता– आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक– माता प्रसाद शर्मा, फिल्म– संपादक–जगन्नाथ तिवारी